www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

खैबर पख्तूनख्वा में पाक सेना का बर्बर चेहरा 06

वर्ष :17 | अंक :120 | प्रयागराज ,गुरूवार , 31 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सीआरपीएफ कांस्टेबल ने आत्महत्या की

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के नैमेड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिनगाचल गांव में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 22वीं वाहिनी में पदस्थ आरक्षक पप्पू यादव ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली है कि पप्पू यादव मंगलवार को छुटटी से वापस आया था और उसने बुधवार सुबह लगभग पांच बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि गोली की आवाज सुनने के बाद जब शिविर के अन्य जवान वहां पहुंचे तब उन्होंने देखा कि यादव खून से लथपथ पड़ा है। बाद में इसकी सूचना अधिकारियों को दी गई। उन्होंने बताया कि यादव बिहार के भोजपुर जिले का निवासी था। उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा जांच की जा रही है।

जम्मू के कठुआ में ड्रोन से गिराया गया मादक पदार्थों का पैकेट बरामद

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने सीमा पार से आए एक ड्रोन द्वारा गिराया गया मादक पदार्थों से भरा एक पैकेट बरामद किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दी गई थी कि मंगलवार शाम को हीरानगर क्षेत्र में एक ड्रोन द्वारा एक पैकेट गिराया गया था जिसके बाद पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कार्रवाई की और पैकेट बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि पैकेट में 400 ग्राम मादक पदार्थ पाया गया। पूरे इलाके में तलाशी ली गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रोन द्वारा कोई और वस्तु तो नहीं गिराई गई। इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शोभित सक्सेना ने बताया कि सतर्कता बरती जा रही है और तलाश अभियान जारी है।

राज्यसभा नहीं पहुंचे पीएम मोदी, खड़गे बोले- ये सदन का अपमान

शाह ने कहा- मेरे से निपट रहा, तो उन्हें क्यों बुलाना; विपक्ष ने वॉकआउट किया

पीएम मोदी को बुलाने की मांग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के तहत पहलगाम हमले के आतंकियों समेत कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है। उन्होंने साफ किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह सफाया किया जाएगा।

एजेंसी

शाह ने कहा- पाकिस्तान लड़ने की स्थिति में नहीं था

सदन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा- पाकिस्तान लड़ने की स्थिति में ही नहीं था। किसी के समाधान नहीं हुआ। पाकिस्तान घुटनों के बल पर आया था। उनके डीजीएमओ ने हमारे डीजीएमओ को फोन किया था। युद्ध रोकने का कहा था। शाह ने कहा कि कांग्रेस के समय में जो आतंकी घटनाएं होती थीं, तब हमें फोन आते थे कि क्या कार्रवाई हुई। उनके समय में जिन आतंकियों ने हमले किए, उन्हें हमारे कार्यकाल के दौरान सैन्य ऑपरेशन में मारा गया।ऑपरेशन सिंदूर आतंकी के दिल पर हमला था।पहली बार उनके सरहद में जाकर हमारी सेना ने पराक्रम दिखाया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा

'प्रधानमंत्री के दिल्ली में रहते हुए भी वो यहां नहीं आ रहे, ये तो सदन का अपमान है। सदन- सदस्यों का अपमान करना ठीक नहीं है।' इसके बाद विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया।

नई दिल्ली , राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा जारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन को संबोधित करने पहुंचे। इस पर विपक्ष ने हंगामा करते हुए पीएम मोदी को बुलाने की मांग की। इस पर शाह ने कहा- विपक्ष पूछ रहा है कि पीएम कहा हैं? पीएम इस वक्त ऑफिस में हैं, उन्हें ज्यादा सुनने का शौक नहीं है। मेरे से निपट रहा है, उन्हें क्यों बुला रहे हो।

शाह ने कहा- पाकिस्तानी आतंकियों ने जो नुकसान किया, उसके जवाब में भारत सरकार और सेना ने जो मजबूत जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। ऑपरेशन महादेव में तीन आतंकी मारे गए। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। शाह से पहले भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन वढअ सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही।राज्यसभा-लोकसभा की कार्यवाही के पल-पल के अपडेट्स के लिए नीचे के ब्लॉग से गुजर जाएं. उनके लॉन्चिंग पैड खत्म किए। जब तक, दुश्मन जब तक डर नहीं जाता, या सुधर नहीं जाता, कभी निर्णायक नतीजा नहीं आता।कांग्रेस ने कभी जवाब नहीं दिया। हमने जवाब दिया। खौफ पैदा हो गया है। उन्हें सपने में भी हमारी मिसाइलें दिखती होंगी। मैं देश ही जनता के सामने गर्व से कहता हूं कि हिंदू कभी टेररिस्ट नहीं हो सकता। ऑपरेशन महादेव में हुई हत्याओं के समय पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर अमित शाह ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्यसभा में कहा, आप मुहूर्त पूछ रहे हैं? उन्होंने कहा कि मैं तो उन्हें उसी पल मार देना चाहता था। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कल आप (कांग्रेस) पूछ रहे थे कि वे (पहलगाम के आतंकवादी) आज ही क्यों मारे गए? उन्हें कल क्यों नहीं मारा जाना चाहिए था? क्योंकि राहुल गांधी को अपना भाषण देना था? ऐसे नहीं चलता।

बहुत कमजोर स्थिति में मोदी... क्यों नहीं कर रहे ट्रंप के दावों का खंडन

खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावे को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि हम इस तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करते। दाल में कुछ काला है, इसलिए वे कुछ नहीं कह रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रंप को सीधे तौर पर झूठा न कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो पूरा सच सामने आ जाएगा।

एजेंसी

गांधी ने मीडिया से कहा कि जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ट्रंप ने झूठ नहीं बोला है। सबको पता है कि क्या हुआ है; वे बस यह नहीं कह पा रहे हैं कि समस्या यही है। सच्चाई यही है: अगर प्रधानमंत्री (कुछ) कहते हैं, तो वह (डोनाल्ड ट्रंप) खुलकर कहेंगे, तब पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। इसीलिए यह नहीं कहा जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बार-बार यह स्पष्ट किए जाने के बावजूद कि अमेरिका या कोई अन्य देश भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने के निर्णय में शामिल नहीं था, डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने का दावा किया है।

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम संबंधी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन नहीं कर रहे क्योंकि वह बहुत कमजोर स्थिति में हैं और उन्हें बहुत कुछ छुपाना है। मुख्य विपक्षी दल ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव समाप्त कराने में अपनी भूमिका संबंधी दावे को ट्रंप द्वारा दोहराए जाने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड से वाशिंगटन लौटते समय मंगलवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्रंप की हालिया टिप्पणी का एक वीडियो टैग करते हुए एक्स पर लिखा, कल लोकसभा में प्रधानमंत्री ने हस्तक्षेप करते हुए मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने एक फिर अपना दावा दोहराया। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री अपने अच्छे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका, सऊदी अरब, कतर और ब्रिटेन में 30 बार किए गए दावों का स्पष्ट रूप से खंडन करने से क्यों इनकार कर रहे हैं? जवाब साफ है। नरेन्द्र मोदी बहुत कमजोर स्थिति में हैं और उन्हें बहुत कुछ छुपाना है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, ट्रंप, मोदी के इर्द-गिर्द सांप की तरह लिपटे हुए हैं। कल राहुल गांधी ने उन्हें इस झंझट से बाहर निकलने का एक बेहतरीन मौका दिया। बस इतना कहिए कि ट्रंप युद्धविराम के बारे में झूठ बोल रहे है।

इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लॉन्च

घने जंगल और अंधेरे में देखने की क्षमता; 97 मिनट में धरती का चक्कर पूरा करेगा

इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया

इसमें नासा की तरफ से तैयार एल-बैंड और इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया है जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है। यह तकनीक प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट, भूस्खलन व बाढ़ की रीयल-टाइम निगरानी में मदद करेगा।

एजेंसी

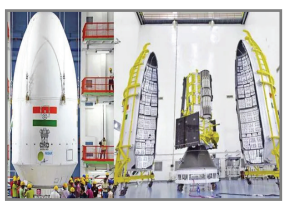

- पृथ्वी की बेहतर निगरानी की भारत को मिलेगी शक्ति
- पूरी धरती पर नजर रखेगा नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार

श्रीहरिकोटा। पृथ्वी पर नजर रखने वाला सेटेलाइट नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) बुधवार को लॉन्च किया जाएगा। इसरो का जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट बुधवार शाम 5.40 बजे निसार के साथ श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा और सेटेलाइट को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करेगा।

लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

इस महत्वाकांक्षी मिशन के लिए 27.30 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार मंगलवार दोपहर 2.10 बजे शुरू हुई। इंटरनेट मीडिया पर जारी अपडेट में इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। अंतिम तैयारियां चल रही हैं। लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

यह मिशन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा

सिंदूर तो उजड़ गया फिर ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों?

जया बच्चन ने उठाए सवाल, भाजपा ने दिया जवाब

एजेंसी

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब पृथ्वीराज चव्हाण अकेले नहीं हैं। जरा सोचिए, यह कैसी मानसिकता है।

समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के नाम को लेकर सरकार पर सवाल उठाया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान राज्यसभा में बच्चन ने कहा, मुझे आपको (सत्तारूढ़ पार्टी को) ऐसे लेखकों को नियुक्त करने के लिए बधाई देनी चाहिए जो इतने भव्य नाम देते हैं। लेकिन आपने इसका नाम 'सिंदूर' क्यों रखा? जिन महिलाओं के पति मारे गए थे, उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया गया है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब पृथ्वीराज चव्हाण अकेले नहीं हैं। जरा सोचिए, यह कैसी मानसिकता है। वे ऑपरेशन महादेव के नाम पर सवाल उठाते हैं और इसे सांप्रदायिक कहते हैं... जया बच्चन जी, आतंकवादियों ने महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया। सिंदूर शक्ति और क्षमता का प्रतीक है। यही संदेश देने के लिए इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा गया... यह दुखद है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने पहले भाजपा पर धार्मिक प्रतीकों के नाम पर अभियान चलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, उन्हें धार्मिक प्रतीकों के नाम पर अभियान चलाने के अलावा कुछ नहीं आता। वे अपने हर काम में धार्मिक कट्टरवाद भर देते हैं। वे स्थिति को हिंदू बनाम मुस्लिम संघर्ष में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेता सी.आर. केसवन ने चव्हाण की टिप्पणी को बेहद निंदनीय बताया।

तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक

बिहार चुनाव को लेकर बन गया यह बड़ा प्लान

राजद नेता ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम लोग जनता के बीच जाएंगे। इसे लेकर आज बैठक में चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि राखी के बाद हम महागठबंधन के सभी बड़े नेता जो राष्ट्र स्तर के नेता हैं जनता के बीच जाएंगे मैं खुद भी जनता के बीच जाऊंगा।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारियां जोरों पर है। आज राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के पटना स्थित आवास पर महागठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि आज महागठबंधन की समन्वय समिति की बैठक हुई। उअऋ की रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार सरकार 71,000 करोड़ रुपये का ब्योरा नहीं दे सकी। यह आंकड़ा लगभग 80,000 करोड़ रुपये है; यह एक बड़ा घोटाला है। राज्य में अब तक 100 से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं और सीएम अभी भी बेहोश हैं। राजद नेता ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर हम लोग जनता के बीच जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की ननों को जमानत देने से इनकार

एनआईए कोर्ट में अगली सुनवाई

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगियों पर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस गिरफ्तारी को बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज कराई गई झूठी शिकायत के आधार पर जानबूझकर की गई उत्पीड़न की कार्रवाई बताया।

एजेंसी

कथित धर्मांतरण के सिलसिले में छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की दो ननों की जमानत याचिकाएँ निचली अदालत और सत्र न्यायालय, दोनों ने खारिज कर दी हैं। सत्र न्यायालय की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश अनीश दुबे (एफटीएससी) ने फैसला सुनाया कि मानव तस्करी के आरोपों के कारण यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है, जिसके कारण यह राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) अदालत के दायरे में आता है। अब इस मामले की सुनवाई बिलासपुर स्थित एनआईए कोर्ट में होगी। तब तक, नन न्यायिक हिरासत में रहेंगी। शिकायतकर्ता के वकील राजकुमार तिवारी द्वारा इस अदालत में एक नई याचिका दायर करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगियों पर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस गिरफ्तारी को बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज कराई गई झूठी शिकायत के आधार पर जानबूझकर की गई उत्पीड़न की कार्रवाई बताया। विजयन ने कहा कि यह घटना संघ परिवार के असली चरित्र को उजागर करती है। वही लोग जो ईसाइयों के घरों में केक और मुस्कुराहट लेकर घुस जाते हैं, अब ननों का शिकार कर रहे हैं।

तृणमूल का वोट बैंक बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से बना है....

टीएमसी पर सुकांत मजूमदार का निशाना

केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि टीएमसी ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है, इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं ताकि उन लोगों का नाम न कट जाए।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन इसलिए कर रही है क्योंकि वे अपना वोट बैंक बचाना चाहते हैं, जिसमें मुख्य रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि टीएमसी ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है।

दावा निशिकांत दुबे का बड़ा दावा, राहुल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

इंदिरा गांधी ने 1971 के युद्धविराम के लिए अमेरिका से मांगी थी मदद

एजेंसी

दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को 5 दिसंबर, 1971 को लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम का अनुरोध किया गया था और भारत की सरकार को खतरे में बताया गया था। उन्होंने कांग्रेस पर भारत के इतिहास के बारे में झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया।

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान युद्धविराम के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी, जबकि भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया था। दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को कथित तौर पर लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम कराने में मदद का अनुरोध किया गया था। दुबे ने इंदिरा गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को 5 दिसंबर, 1971 को लिखे गए एक पत्र का हवाला दिया, जिसमें युद्धविराम का अनुरोध किया गया था और भारत की सरकार को खतरे में बताया गया था। उन्होंने कांग्रेस पर भारत के इतिहास के बारे में झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया। निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि कल लोकसभा में राहुल गांधी जी ने 1971 युद्ध के बारे में इंदिरा गांधी जी की भूमिका पर गलत बयानी की। दिसंबर में इंदिरा गांधी जी ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन जी को पाकिस्तान के साथ युद्ध रोकने की गुहार लगाई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी ने अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण किया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी को अध्यक्षीय डायरेक्शन के नियम 115 के तहत राहुल गांधी जी पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। बाद में एएनआई से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि ये 5 दिसंबर 1971 का एक पत्र है, जो इंदिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को लिखा था। उन्होंने लिखा था कि हमारी सरकार खतरे में है, और भारत युद्ध विराम चाहता है; आप पाकिस्तान को मना लीजिए। इतना बड़ा आत्मसमर्पण, इतना बड़ा झूठ। 1971 का पूरा इतिहास इंदिरा गांधी द्वारा लिखे गए इस एक पत्र में समाहित है। जब लोगों को लगा कि हम अपने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को ले सकते हैं, जब हमने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया था, उस समय अचानक युद्ध विराम हो गया। उन्होंने आगे कहा कि इस इतिहास को देखने के बाद, क्या आपको नहीं लगता कि कांग्रेस ने पूरे मीडिया को नियंत्रित किया था? कांग्रेस ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की। हमें बचपन से यही पढ़ाया गया है कि निक्सन और किसिंजर को भारत में घुसने नहीं दिया गया, लेकिन इतिहास यही है कि 1971 में गांधी ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

एसआईआर मतलब खामोश धांधली, चुनाव आयोग पर अभिषेक बनर्जी का विस्फोटक आरोप

अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि 'एसआईआर' का अर्थ 'खामोश अदृश्य धांधली' है, जो भाजपा के पक्ष में लोगों के मताधिकार छीनने का प्रयास है। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची से नाम गायब होने और कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी होने का उदाहरण दिया, साथ ही सरकार को पहलगाम हमले और अमेरिकी नियंत्रण जैसे मुद्दों पर घेरा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने सवाल खड़े किए है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर इस देश के नागरिकों के नाम सूची से काटे जा रहे हैं और एक कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, और चुनाव आयोग इस सवाल उठाने के लिए करते हैं, चुनाव आयोग उनका मताधिकार छीनने की कोशिश कर रहा है। जिस तरह से वे पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं... मेरा मानना है... उन्होंने पहले भी देखा है कि पश्चिम बंगाल में उनके कार्यों का कोई नतीजा नहीं निकला। अब उन्होंने बिहार में भी ऐसा ही किया है; मुझे विश्वास है कि बिहार की जनता इसका जवाब देगी। इस बीच, मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। टीएमसी सांसद ने कहा कि हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है... वे बंगाल में भी यही कोशिश करेंगे, खूब उत्पात मचाएँगे। आवासीय प्रमाण पत्र को स्वीकार भी कर रहा है। कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र तो है, लेकिन लोग वोट नहीं डाल सकते। जिस एसआईआर की वे बात कर रहे हैं... विशेष गहन पुनरीक्षण...। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर का असली मतलब है खामोश अदृश्य धांधली, जिसकी शुरूआत चुनाव आयोग ने भाजपा के पक्ष में की है। जो लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल सरकार पर

सम्पादकीय

चेस महिला विश्वकप जीतने वाली पहली महिला बनी दिव्या देशमुख, 19 साल की उम्र में हासिल किया था ग्रैंडमास्टर का तमगा

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय शतरंज का एक सुनहरा दौर चल रहा है और इसने वैश्विक स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में अपनी अच्छी दखल दर्ज की है। इसी क्रम में सोमवार को जार्जिया के बातूमि में खेले गए फिडे महिला विश्व कप शतरंज, 2025 में दिव्या देशमुख ने भी एक शानदार अध्याय जोड़ा है। विश्व कप में हमवतन कोनेरू हम्पी को हरा कर बाजी मारने और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम करने के साथ ही सिर्फ उन्नीस वर्ष की उम्र में दिव्या ने ग्रैंडमास्टर का तमगा भी हासिल कर लिया। हालांकि इस प्रतियोगिता की शुरूआत में इस बारे में किसी के लिए सोचना भी मुश्किल था। अब दिव्या महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।इसके अलावा, वे ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी खिलाड़ी हैं। इस खिताबी मुकाबले को दो पीढ़ियों के बीच संघर्ष के तौर पर देखा जा रहा था, जिसमें दिव्या ने अपने से दोगुनी उम्र की अनुभवी और कई अहम खिताब जीतने वाली हम्पी को हरा दिया। हालांकि कोनेरू हम्पी ने फाइनल में जगह बनाने के बाद ही यह कह दिया था कि अंतिम मुकाबला बहुत मुश्किल होने वाला है, क्योंकि दिव्या ने इस विश्व कप में बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया है। जाहिर है, दिव्या की इस जीत की जमीन पहले ही बन चुकी थी।दो बार विश्व रैपिड शतरंज का खिताब जीत चुकी हैं हम्पी गौरतलब है कि एक ओर हम्पी दो बार विश्व रैपिड शतरंज का खिताब जीत चुकी हैं, तो दिव्या ने भी कई शानदार कामयाबियों के अलावा 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब हासिल किया था और पैंतालीसवें शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यानी कहा जा सकता है कि इस बार विश्वकप जीतने से पहले दिव्या ने शतरंज की दुनिया में अपने लिए एक मजबूत जगह बना ली थी, जहां उनसे उम्मीदें बढ़ गई थीं। निर्वाचन आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता प्रमाण पत्र को लेकर सबसे बड़ा विवाद अब उनकी इस जीत से निश्चित तौर पर शतरंज प्रतियोगिताओं की वैश्विक बिसात पर भारत की मजबूत जगह बनी है। पिछले साल चार भारतीय पुरुष खिलाड़ियों- डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, आर प्रज्ञानानंद और अरविंद विश्व शतरंज की शीर्ष दस की रैंकिंग में शामिल हो गए थे। अब दिव्या की जीत को भी शतरंज में भारतीय कामयाबी की एक कड़ी और भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशिः आपका दिन शुभ रहने वाला है। बिजनेस के मामले में कोई बड़ी और खास डील फाइनल हो सकती है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भौतिक सुख भी बढ़ेंगे। आप कुछ शुभ व्यय भी कर सकते हैं, जिससे लोग आपकी सराहना करेंगे। परिवार में भी शांतिपूर्ण और खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृषभ राशिः व्यापार के मामले में आप को नई योजना बना सकते हैं। यह भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। साथ ही, अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। दिन के समय कामकाज में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन आप समझदारी से इन्हें पूरा कर लेंगे।

मिथुन राशिः आपका दिन रचनात्मक रहने वाला है। ऐसे ही किसी कार्य में आप अपना ज्यादा समय बिता सकते हैं, जिससे मन को सुकून मिलेगा। कार्यक्षेत्र में भी आप वही काम करेंगे, जो आपको सबसे ज्यादा प्रिय है। व्यापार को लेकर नई योजनाएं दिमाग में आती रहेंगे। इसके लिए आप किसी अनुभवी और सीनियर व्यक्ति का सहयोग भी ले सकते हैं।

कर्क राशिः आपका दिन शुभ फल देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत और लगन के साथ करेंगे उसका परिणाम तुरंत प्राप्त हो सकता है। अगर लंबे समय से काम अधूरे पड़े थे, तो वे भी अब पूरे हो सकते हैं। साथ ही, कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा हो सकती है।

सिंह राशिः आप कामकाज के मामले में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपके जरूरी कार्यों में परेशानियां या बाधाएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में आपको सतर्क रहने की जरूरत होगी और किसी पर भी जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें।

कन्या राशि :कार्यक्षेत्र में आसपास के लोगों से टकराव होने की स्थिति बन सकती है, जिससे आपको दूरी बनाए रखनी होगी। साथ ही, कटु वाणी का प्रयोग करने से बचें और संयम बनाए रखें, अन्यथा कोई बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर आत्मविश्वास के साथ काम करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा

तुला राशि : व्यापार और नौकरी के मामले में दिन लाभदायक साबित होगा। अगर कार्यस्थल पर कोई विवाद चल रहा था, तो वह अब सुलझ सकता है। वहीं, व्यापार के मामले में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है, जो भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकते हैं। नौकरी करने वालों का दिन भी शुभ रहेगा और लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक राशिः कारोबार में आपका दिन बहुत बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में आप काफी व्यस्त भी रह सकते हैं। नौकरी व व्यापार के मामले में कुछ नया करने से आपको भविष्य में लाभ प्राप्त हो सकता है। कामकाज भी नए सिरे से शुरू हो सकता है। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

धनु राशिः आपको कार्यक्षेत्र में सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। सोच-समझकर फैसले लेना ही आपके लिए बेहतर होगा। बिजनेस में समझदारी के साथ थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिलने की संभावना भी बनी हुई है।

मकर राशिः कारोबार के मामले में दिन सामान्य रहेगा। पार्टनरशिप में किए गए व्यापार से लाभ मिलने की संभावना है।

कुंभ राशिः व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। कामकाज तेजी से होगा और लाभ कमाने के भी अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहने का आवश्यकता होगी।

मीन राशि; दिन लाभकारी रहने वाला है और व्यापार में जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। लेकिन ज्यादा जल्दबाजी से भी बचना होगा। अगर कुछ परेशानियों का सामना कर रहे हैं,

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है।

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दशार्ते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं। हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

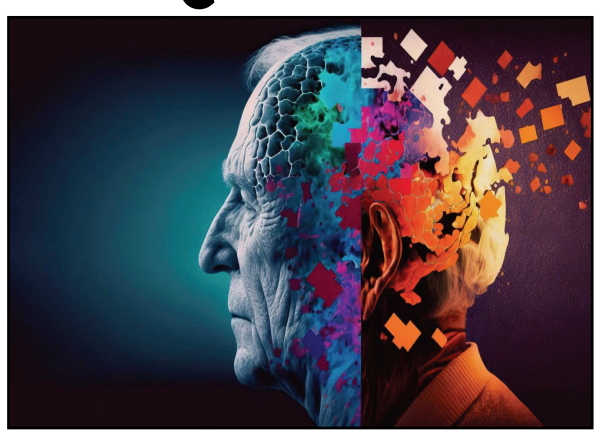

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमजोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दशार्ते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोजमर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर जोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज करते हैं।हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं।

जेंटलमैन गेम को शर्मसार करतीं अनजेंटल हरकतें

हरीश शिवनानी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के मैनचेस्टर के चौथे टेस्ट मैच के पांचवे दिन के आखिरी घंटे में इंग्लिश कैप्टन बैन स्टॉक्स ने जो हरकत की, वो जेंटलमैनस गेम कहे जाने वाले क्रिकेट पर एक धब्बे की तरह अंकित हो गई. स्टॉक्स ने जिस परिस्थिति में जो हरकत की, उसने चार दशक पहले भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की कटु याद दिला दी, जब ऐसी ही परिस्थिति में पाकिस्तान के कप्तान जहीर अब्बास ने ठीक वैसी ही हरकत की थी। दरअसल रविवार की रात मैनचेस्टर टेस्ट में जब आखिरी 15 ओवर का खेल बचा था, स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को मैच ड्रॉ करने का ऑफर दिया, लेकिन दोनों इंडियन बैटर्स ने मना कर दिया. मानते भी कैसे, उस समय जडेजा 89 रन पर और सुंदर 80 रन पर थे. दोनों सेंचुरी डिजर्व करते थे. इस फैसले पर स्टोक्स तिलमिला गए और न सिर्फ इन दोनों पर अपना गुस्सा जाहिर किया, बल्कि विरोध के लिए हैरी ब्रूक की तरफ बॉल उछाल दी. ब्रूक ने भी मजाकिया अंदाज में बॉलिंग की। इससे इंग्लैंड की हताशा साफ जाहिर हो रही थी.उसी दौरान इंग्लैंड के एक और खिलाड़ी की आवाज स्टंप्स माइक से आई आपको कितना समय चाहिए, एक घंटा?

गुस्साए स्टोक्स ने हताशा में अपने ही दो खिलाड़ियों की इज्जत भी उछाल दी। स्टॉक्स ने कहा, अगर तुम्हें शतक की बनाना था तो ऐसी बल्लेबाजी पहले कर लेते। क्या तुम ब्रूक जैसे और बेन डाकेट जैसे गेंदबाजों के सामने 100 पूरा करना चाहोगे? इस पर जडेजा ने कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं ऐसे ही यहां से चला जाऊं? इस पर सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने कहा, जडेजा आप हाथ मिलाये और खेल को खत्म कीजिये। जडेजा ने साफ कह दिया, मैं कुछ नहीं कर सकता। फिर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कुछ तीखी बहस-सी हुई. इसके बाद स्टोक्स ने हैरी ब्रुक और जो रूट को गेंदबाजी पर लगाया और अंतिम कुछ मिनटों में दोनों टीमों के बीच कुछ कड़वाहट दिखी। जडेजा के ड्रॉ से मना करने से स्टोक्स इतने खफा हो गए कि मैच के अंत में उन्होंने उन से हाथ भी नहीं मिलाया। इंग्लिश टीम के इस व्यवहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी किरकिरी हो रही है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इंग्लि?श टीम की मोरल हिपोक्रि?सी बताते हुए स्टोक्स को नौटंकीबाज तक करार कर दिया. फॉक्स क्रि?केट ने लिखा कि टेस्ट क्रिकेट का तथाकथि?त सेवियर इंग्लैंड अब मनोरंजन से ज्यादा रिजल्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है. हेराल्ड सन ने अंग्रेजी टीम को गैर-खेल भावना वाला बताया. मैनचेस्टर में स्टॉक्स के इस नकारात्मक रवैये ने 42 साल पहले भारत-पाकिस्तान के बंगलौर टेस्ट की कटु याद दिला दी, जब इस टेस्ट में पाकिस्तानी कप्तान जहीर अब्बास ने ऐसी ही हरकत की थी. यह घटना 14-18 सितंबर 1983 को चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई थी। यह भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट था। यह टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। अंतिम दिन भारत दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहा था, और सुनील गावस्कर 96 रन पर थे कि पाकिस्तान के कप्तान जहीर अब्बास ने यह कहते हुए कि दिन के लिए न्यूनतम 77 ओवर पूरे हो चुके हैं, अपनी टीम को मैदान से बाहर ले जाने का फैसला किया। उनका यह फैसला गावस्कर को शतक बनाने से रोकने की रणनीति के रूप में देखा गया, लेकिन सुनील गावस्कर ने मैदान छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि नियमों के अनुसार, दिन का खेल आधिकारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था। गावस्कर और उनके साथी बल्लेबाज क्रीज पर डटे रहे। इस घटना के बाद दोनों टीमों के अधिकारियों और अंपायरों के बीच चर्चा हुई।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग डे पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन, विशेषज्ञों ने साझा की अहम जानकारियां

भारत संवाद / योगेश शर्मा

लखनऊ – विज्ञान फाउंडेशन, पीपल कंसल्टेंसी सर्विसेज, ऐट सेक इंडिया तथा यूपी फोर्सेज के संयुक्त तत्वावधान में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग डे के अवसर पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न जिलों– लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, बलिया, श्रावस्ती, चित्रकूट और कानपुर–से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञों के तौर पर यूनिसेफ लखनऊ की सुश्री रिजवाना परवीन, अलीगढ मुस्लिम विश्वविधालय के एडवांस सेंटर फॉर वूमेन स्टडीज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तरुशिखा सर्वेश तथा यूपी फोर्सेज से श्री रामायण यादव वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे । सुश्री रिजवाना परवीन ने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मानव तस्करी की परिभाषा, इसके कारणों और इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गरीब, वंचित और जागरूकता की कमी वाले परिवारों को इस अपराध का शिकार बनाया जाता है। उन्होंने मानव तस्करी को रोकने के लिए सरकारी हेल्पलाइन नंबरों (जैसे 1098, 112, 181) का उल्लेख किया और बताया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना स्थानीय प्रशासन, बाल कल्याण समिति या नजदीकी पुलिस थाने में दी जा सकती है। डॉ. तरुशिखा सर्वेश ने मानव तस्करी के लैंगिक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से इस अपराध के निशाने पर होते हैं।उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के जरिए ही इसे जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और संरक्षण से जुड़ी कानूनी व्यवस्थाओं की जानकारी भी साझा की। श्री रामायण यादव, जो यूपी फोर्सेज का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

विदेशी नेटवर्क से जुड़ा डिजिटल ठग गैंग गिरफ्तार

प्रयागराज से हुआ गिरोह का खुलासा, 14 राज्यों में फैले नेटवर्क से ठगे करोड़ों

भारत संवाद

प्रयागराज, साइबर अपराध की दुनिया में प्रयागराज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज की साइबर सेल ने एक ऐसे अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पदार्फाश किया है जो न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों से संचालित गिरोहों से भी जुड़ा हुआ था। गिरोह ने भारत में कई राज्यों में फैले नेटवर्क के जरिए करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 5 ठगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है जबकि इस नेटवर्क से जुड़े कई आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य विदेशी नेटवर्क्स (लाओस, मलेशिया, कंबोडिया, वियतनाम, चीन और थाईलैंड) से जुड़े थे। ये आरोपी भारतीय नागरिकों को टेलीग्राम, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल माध्यमों से झांसा देकर ऑनलाइन ट्रेडिंग, बाइनरी ऑप्शन, शेयर इन्वेस्टमेंट जैसे फर्जी स्कीमों में निवेश के लिए प्रेरित करते थे। निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए जाते थे और बाद में पीड़ितों को ब्लॉक कर दिया जाता था। इस गिरोह की जांच में यह भी सामने आया है कि यह लोग फर्जी वेबसाइट और मोबाइल ऐप्स बनाकर लोगों को बड़े मुनाफे का लालच देते थे। फिर यूपीआई, बैंक खातों और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से पैसे को विदेशों में बैठे नेटवर्क तक ट्रांसफर कर देते थे। गिरोह की गतिविधियां 14 राज्यों में फैली हुई थीं। गिरफ्तार किए गए पांच अभियुक्तों में कौसुतु गुम्मा (ग्रेटर नोएडा), यामी हेनी (ग्रेटर नोएडा), अनुराग (दिल्ली), शानि झा (कानपुर) और हिमांशु कुमार (इटावा) शामिल हैं। इनके पास से 1 एप्पल फोन, 7 फर्जी मोबाइल फोन, 1 रेजर लैपटॉप, 1 टाटा सफारी, 1 पर्सनल बैंक पीओएस मशीन, 14 सिम कार्ड, एटीएम कार्ड व 2,86,000 नगद बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि ये गिरोह भारत के लोगों को विदेशी निवेश प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में शामिल कर फर्जी ट्रांजेक्शन दिखाता था।

इसके बाद पैसे हड़पकर क्रिप्टो के जरिए विदेशों में भेज दिए जाते थे। इनका काम टेलीग्राम पर विदेशी अकाउंट से लिंक कर 'एकाउंट सप्लाई' करना और 'डिस्ट्रीब्यूशन' तक सीमित रहता था।

फास्ट ट्रैक

थाना कछवां पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला-फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना कछवां, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 26.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक बहन को शादी का झासा देकर बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां पर मु0अ0सं0-131/2025 धारा 137(2),87,352,351(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना कछवां को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 30.07.2025 को उप-निरीक्षक गिरधारी सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त करन कुमार पुत्र राजकुमार निवासी आराजीलाइन सुलतानपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,352,351(2) बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 30.07.2025 को थाना विन्ध्याचल पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से अभियुक्त सुरेश कुमार सोनकर पुत्र मेहीलाल सोनकर निवासी अरंगी सरपति थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना विन्ध्याचल पर धारा 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई ।

साइबर जागरुकता दिवस पर साइबर क्राइम थाना मीरजापुर द्वारा कार्यशाला का आयोजन स्थान- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ,जनपद मीरजापुर

भारत संवाद

सोमेन वर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मीरजापुर के निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना ,मीरजापुर द्वारा आज दिनांक 30/07/2025 को15 दिवसीय जनजागरुकता कार्यक्रम के दृष्टीगत साइबर जागरुकता दिवस के अवसर पर साइबर अपराध से संबन्धित घटनाओं की रोक थाम के लिये थाना क्षेत्र को0शहर स्थान- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, जनपद मीरजापुर में साइबर जागरुकता से सम्बन्धित कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जिसमें बार एसोसिएशन के अधिवक्तागण द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया ।इस कार्यशाला में साइबर क्राइम थाना मीरजापुर के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी ।जैसे- साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये तथा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी के बारे में जानकारी दी गयी एवं फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व वढक, हअछछएळ, इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध ,एवं साइबर अपराध की घटना घटित हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की वेबसाईट । पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें

गोस्वामी तुलसी जयन्ती आयोजित कार्यक्रम

भारत संवाद

प्रयागराज। गोस्वामी तुलसी जयन्ती कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री अजय याज्ञनिक जी मा0 महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, अपर नगर आयुक्त श्री अरविन्द राज द्वारा तुलसी उद्यान स्थित गोस्वामी तुलसी दास जी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।मा0 महापौर द्वारा उपस्थित नगर के विशिष्ठ अतिथियों की ओर से आदरणीय अजय याज्ञनिक जी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। उक्त कार्यक्रम के उपरन्त मा0 महापौर, अजय याज्ञनिक जी, डा0 नरेन्द्र सिंह गौढ़, श्री प्रदीप कुमार, महासचिव, इटावा हिन्दी सेवा निधि द्वारा डा० एम. गोविन्द राजन जी, डा० शम्भू नाथ त्रिपाठी (अशुल जी), तथा डा० राम मिलन मिश्र जी को गोस्वामी तुलसीदास समर्चन सम्मान से सम्मानित करते हुए अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। मा0 महापौर द्वारा उपस्थित अन्य विभूतियों एवं नगर निगम के अधिकारियों को पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र, तुलसी जी की शील्ड दे कर सम्मानित किया गया, उसके उपरान्त सुन्दर काण्ड का पाठ अजय याज्ञनिक द्वारा आरम्भ किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम नगर निगम न्यूबिल्डिंग सभागार में आयोजित किया गया कार्यक्रम के संचालक श्री सत्येन्द्र द्विवेदी एवं उनके सहयोगी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह गौढ़, श्री के0वी0 पांडेय पूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग, पूर्व कुलपति चीफ वार्डन अनिल गुप्ता अन्नू, उदय प्रताप सिंह, राम जी केसरवानी, शिव कुमार वैश्य, प्रदीप कुमार, कमलेश कुमार, प्रभा शंकर पांडेय, शशि वार्ष्णेय, राजेंद्र मिश्रा, सुशील खरबंदा, पदुम जायसवाल, सतीश केसरवानी, सत्येंद्र द्विवेदी, योगेश मौर्य, वरुण केसरवानी, रमेश पासी, प्रमोद जायसवाल, मोदी राजू पाठक, विवेक अग्रवाल, राजेश केसरवानी, पवन श्रीवास्तव, राजीव भारद्वाज, बब्बन सुनील केसरवानी, पप्पू, शिव बालक केसरवानी, आनंद जायसवाल, पार्षद अमित सिंह, बबलू रघुवंशी, शिव सेवक सिंह, आनंद घिड़ियाल, भोला तिवारी, राजू शुक्ला, कुसुम लता गुप्ता, मुकेश लारा, अजय यादव, सोनू पाठक, पंकज जयसवाल, मयंक यादव, रण विजय सिंह, बलराज पटेल, संजय कुमार, शिव नारायण यादव, सिया राम मौर्य, आशीष द्विवेदी, प्रमोद, आरती मौर्य, सुरेंद्र यादव, रुद्रसेन जायसवाल, रितेश मिश्रा, प्रीति गुप्ता, भरत निषाद, भोला सिंह, दीनानाथ कुशवाहा, विशाल गुप्ता, बृजेश गुप्ता, विवेक मिश्रा, प्रदीप वाजपेयी तथा नगर निगम के अधिकारीगण मुख्य नगर लेखा परीक्षक श्री बालेन्दु मिश्रा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री पी0के0मिश्र, सचिव महापौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, अवर अभियन्ता राम सक्सेना एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

मनरेगा आधार आधारित भुगतान

जाब कार्डो के आधार सीडिंग से मनरेगा मजदूरों के पारिश्रमिक का पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे उनके खाते मे हो रहा भुगतान

भारत संवाद

मनरेगा मजदूरों को आधार आधारित भुगतान प्रणाली से भुगतान की जा रही मजदूरी

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेशों के क्रम में मनरेगा जाब कार्ड धारकों को उनके आधार से लिंक किये जाने से मनरेगा श्रमिकों का भुगतान आसानी से और पूरी पारदर्शिता के साथ उनके खातों में हो रहा है।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा में धांधली न हो सके, इसके लिए उप मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के जॉब कार्ड को आधार से जोड़ने का निर्देश दिया था। तत्क्रम मे मजदूरों का जॉब कार्ड आधार कार्ड से लिंक किया गया है,जिससे मजदूरी की धनराशि सीधे उनके खाते में पहुंच रही है। आधार लिंक होने से श्रमिक की पहचान संबंधी पूरा विवरण सत्यापित हो जाता है।

इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना खत्म हो जाती है। उच्चाधिकारियों द्वारा इसके लिए सभी रोजगार सेवक, ग्राम पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि वह अपने तैनाती वाले गांवों में श्रमिकों के आधार लेकर लिंक कराने का कार्य पूरा कर लें। जॉब कार्ड आधार से लिंक होने के बाद मजदूरों का भुगतान सीधा उनके खाते में पहुंच रहा है। महात्मा गांधी नरेगा के तहत लाभार्थियों को मजदूरी का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और लाभार्थियों द्वारा बैंक खाता संख्या बार-बार बदलने और कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा उसे अद्यतन न करने के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए, आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) को अपनाने का निर्णय लिया गया।सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा में श्रमिकों का शोषण न हो सके, उनके भुगतान में पादर्शिता रहे, इस उद्देश्य से सक्रिय सदस्यों के जॉब कार्ड को उनके आधार से लिंक करने का काम किया गया है, जिसका सीधा लाभ श्रमिकों को मिल रहा है।

मजदूरी का पैसा आधार बेस्ड पेमेंट सिस्टम से उनके खाते में पहुंच रहा है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनरेगा योजना के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों के जॉब कार्ड को आधार के साथ लिंक होने की वर्तमान स्थिति की बात करें तो ऑल वर्कस की श्रेणी में प्रदेश भर में 23089296 श्रमिक हैं, जिनमें से 22385612 श्रमिक आधार से लिंक किये जा चुके हैं जो कि 96.95 फीसदी है। वहीं प्रदेश भर में 11847683 सक्रिय श्रमिक हैं ,जिनमें से 11843932 श्रमिक आधार से लिंक किये जा चुके हैं, जो कि 99.97 फीसदी है। आधार बेस्ड पेमेंट सिस्टम (ABPS),सरकार की मंशा के अनुरूप मनरेगा श्रमिकों को तकनीकी के बेहतर इस्तेमाल से उन्हें एक पारदर्शी प्रक्रिया से जोड़ने का काम किया जा रहा है। श्रमिकों को उनकी मेहनत-मजदूरी का पैसा सीधे उनके खाते में जा सके, इसलिए उन्हें आधार बेस्ड पेमेंट सिस्टम यानि अइढर से जोड़ा गया है। इससे मजदूरों को भुगतान के लिये इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता और उनका पारिश्रमिक सीधे उनके खाते में पहुंच जाता है।

निवर्तमान जिलाधिकारी का कलेक्ट्रेट में किया गया भव्य विदाई

मा0 सदस्य विधान परिषद व मा0 सदस्य राज्य महिला आयोग सहित जनपद के सभी अधिकारी व कलेक्ट्रेट कर्मचारियों ने अपने अनुभवो का किया साझा-कलेक्ट्रेट में मिलने वालो की रही भीड़

भारत संवाद

मीरजापुर 30 जुलाई 2025- निवर्तमान जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन का स्थानांतरण जनपद गोण्डा के जिलाधिकारी के पद पर होने के पश्चात आज जनपद मीरजापुर में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा भव्य विदाई समारोह आयोजित कर उनके अनुभवो व कार्यो को साझा करते हुए सराहना की गई। इस अवसर पर मा0 सदस्य विधान परिषद श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, राज्य महिला अयोग की मा0 सदस्य नीलम प्रभात भी कलेक्ट्रेट में पहुंचकर निवर्तमान जिलाधिकारी के कार्यकाल में किए गए कार्यो की सराहना करते हुए अगले जनपद में भी अच्छी प्रसिद्धि हासिल करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र, चुनार राजेश वर्मा, उप जिलाधिकारी मड़िहान, उप जिलाधिकारी लालगंज ने जिलाधिकारी के साथ किए गए कार्यो के अनुभवो को अपने वक्तव्यों में साझा किया गया।

निवर्तमान जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद मीरजापुर में अपने कार्यकाल के दौरान सभी का भरपूर सहयोग व स्नेह मिला जिसके कारण से वे जनपद के चतुमुर्खी विकास में गति प्रदान करने में सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि यहां का अनुभव उनके जीवन की अमूल्य पूंजी होगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दिए गए लक्ष्यों और जन कल्याणकारी योजनाओं को सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व मीडिया बंधुओं के सहयोग से ही सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया। उन्होंने जनपद को विकास के ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए सभी की सराहना की। इस अवसर पर संचालन अशोकधर द्विवेदी तथा नाजिर विनय श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, प्रदीप श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, अलमबदा सिंह सहित कलेक्ट्रेट अन्य कर्मचारियों द्वारा भी निवर्तमान जिलाधिकारी की सराहना की गई।

दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड पर स्थापित हुआ कवच 4.0

भारत संवाद

भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को उच्च घनत्व(हाई डेंसिटी) वाले दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड पर स्थापित कर दिया गया है। यह देश में रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया है। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है। इसे जुलाई 2024 में फऊरड (रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन) द्वारा स्वीकृति दी गई थी। कई विकसित देशों को ऐसी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को विकसित और स्थापित करने में 20 से 30 वर्ष लग गए। कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 बहुत कम समय में स्थापित किया गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। स्वतंत्रता के बाद 60 वर्षों तक देश में अंतरराष्ट्रीय मानकों की उन्नत ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों को स्थापित नहीं किया गया। अब कवच प्रणाली को हाल ही में चालू किया गया है, ताकि ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारतीय रेल अगले 6 वर्षों के भीतर देशभर के विभिन्न रेल मार्गों पर कवच 4.0 को स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। अब तक 30,000 से अधिक लोगों को कवच प्रणाली पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। IRISET (भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान) ने AICTE से मान्यता प्राप्त 17 इंजीनियरिंग कॉलेजों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता किया है, ताकि बी. टेक पाठ्यक्रम में कवच को शामिल किया जा सके। कवच से लोको पायलटों को मदद मिलेगीः ब्रेक प्रभावी रूप से लगाने में और कोहरे जैसी कम दृश्यता की स्थिति में सिग्नल देखने के लिए बाहर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सारी जानकारी केबिन के अंदर लगे डैशबोर्ड पर दिखाई देगी।

क्या है कवच?

कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे ट्रेनों की गति की निगरानी और नियंत्रण करके दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसे सेफ्टी इंटिग्रिटी लेवल 4 (SIL-4) पर डिजाइन किया गया है, जो सुरक्षा का सर्वोच्च स्तर है।

कवच का विकास 2015 में शुरू हुआ। इसे 3 वर्षों तक परीक्षण किया गया।

तकनीकी सुधारों के बाद इसे पहले दक्षिण मध्य रेलवे (SCR) में स्थापित किया गया और 2018 में पहला संचालन प्रमाणपत्र मिला।

SCR में अनुभवों के आधार पर एक उन्नत संस्करण कवच 4.0 विकसित किया गया, जिसे मई 2025 में 160 किमी/घंटा तक की गति के लिए मंजूरी दी गई।

कवच के सभी उपकरण स्वदेशी रूप से निर्मित किए जा रहे हैं।

कवच की जटिलता:

कवच एक अत्यंत जटिल प्रणाली है।इसे कमीशन करना किसी टेलीकॉम कंपनी को खड़ा करने के समान है।

उत्सव

दिलों, संस्कृतियों और सीमाओं को जोड़ता एक अद्भुत अवसर

अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस, प्रकृति के साथ मित्रता का उत्सव

भारत संवाद

- मित्रता हमें उम्र, जाति, धर्म, लिंग, लैंगिक पहचान व सीमाओं से परे हमें जोड़ती है
- मित्रता, एक एहसास, एक संकल्प : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि मित्रता, एक ऐसे रिश्ते का उत्सव है, जो दिल से दिल, संस्कृति से संस्कृति और मानवता से मानवता को जोड़ती है। फ्रेंडशिप डे एक एहसास है, अपनेपन, विश्वास और साथ निभाने का। यह उन रिश्तों को सलाम करने का दिन है, जो हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़े रहते हैं वह भी बिना किसी स्वार्थ, बिना किसी अपेक्षा के हमारा साथ निभाते है। यह दिन उन सच्चे मित्रों को धन्यवाद देने का अवसर है, जो जीवन की कठिन राहों में हमारे लिए दीपक की तरह मार्गदर्शन करते हैं। साथ ही, यह दिन सच्चाई, सहयोगऔर सद्भाव का एक संकल्प भी है। मित्रता वह सेतु है जो संघर्षों में भी साथ खड़ी रहती है, और सफलता में भी विनम्र बनाए रखती है।स्वामी जी ने कहा कि मित्रता, दिलों से आगे, सीमाओं के पार का एक अद्भुत रिश्ता है। यह देशों, संस्कृतियों और नस्लों के बीच भी एकता और समरसता लाने का एक माध्यम है। वैश्विक स्तर पर स्थायी शांति, आपसी सहयोग और विकास की नींव मित्रता पर ही टिकी है।मित्रता केवल एक व्यक्तिगत संबंध नहीं, बल्कि यह विश्व बंधुत्व का आधार है। यह सनातन संस्कृति में विश्व बंधुत्व का मूल स्तंभ रही है। हमारे ग्रंथों, उपनिषदों और महापुरुषों ने मित्रता को आत्मा के स्तर पर संबंध मानकर उसे दिव्यता प्रदान की है। प्रभु श्रीराम और सुग्रीव, श्री कृष्ण और सुदामा, अर्जुन और श्रीकृष्ण इन सभी पवित्र रिश्तों में मित्रता केवल सहयोग नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और आत्मीयता की मिसाल बनी।यह हमें सिखाती है कि संवाद, सहानुभूति और साझेदारी से ही हम एक शांतिपूर्ण और प्रगतिशील समाज बना सकते हैं।आज के समय में जब दुनिया अनेक सामाजिक, धार्मिक, और सांस्कृतिक मतभेदों से जूझ रही है, फ्रेंडशिप डे का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह हमें याद दिलाती है कि हम सभी एक समान भावना, संवेदना और मानवता के अंग हैं। जहां दुनिया में असमानता और विघटन की लहरें उठ रही हैं, वहीं मित्रता का संदेश करुणा, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की लौ जलाए रखता है। स्वामी जी ने कहा कि जात-पात, भाषा, क्षेत्रवाद, लिंग भेद या मतभेदों को पीछे छोड़कर एक ऐसा वातावरण बनाएं जहाँ हर व्यक्ति अपनेपन और सम्मान के साथ जी सके। हमें दुनिया को बदलने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं बल्कि आपसी संवाद बनाये रखना ही काफी है।आइए, इस मित्रता दिवस पर हम सभी मिलकर संकल्प लें कि हम न केवल अच्छे मित्र बनेंगे, बल्कि मित्रता के माध्यम से इस विश्व को एक परिवार के रूप में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ स्वीकार करेंगे। आज जब दुनिया अनेक भौतिक उपलब्धियों की होड़ में है, तब हमें प्रकृति से जुड़ने की आवश्यकता है। पौधारोपण करें, जलस्रोतों की रक्षा करें, जैवविविधता को सम्मान दें, यही सच्ची मित्रता है। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर हमें संकल्प लेना होगा कि हम न केवल एक-दूसरे के सच्चे मित्र बनेंगे, बल्कि इस सृष्टि के प्रत्येक तत्व के साथ भी प्रेमपूर्वक, सहयोगपूर्ण और संरक्षणकारी संबंध बनाएंगे।

उत्तर प्रदेश के 157 रेलवे स्टेशनों का होगा विकास, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 20 स्टेशनों पर प्रथम चरण का कार्य पूर्ण

भारत संवाद

मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन का कायाकल्प का कार्य भी शीघ्र होगा प्रारंभ, मेरठ-हस्तिनापुर-बिजनौर (63.5 किमी) नई रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे स्वीकृतकेंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेलवे तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों के विकास की दिशा में एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत राज्य के 157 रेलवे स्टेशनों को चरणबद्ध ढंग से आधुनिक रूप में तैयार किया जाएगा, जिनमें से 20 स्टेशनों पर प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि जिन स्टेशनों पर कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें अयोध्या धाम, बरेली सिटी, बिजनौर, गोवर्धन, गोंमती नगर, इज्जतनगर, सहारनपुर जंक्शन, सिद्धार्थ नगर, इडगाह आगरा जंक्शन, मैलानी, बालरामपुर, स्वामीनारायण छपिया जैसे स्टेशन प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इन स्टेशनों पर प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण, प्लेटफॉर्म उन्नयन, फुट ओवर ब्रिज, शौचालय, लिफ्ट-एस्केलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।केन्द्रीय मंत्री श्री अश्वनी ने मेरठ के सांसद अरुण गोविल द्नारा लोकसभा मे पूछे गये सवाल का जवाब देते हुये कहा कि मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन को भी इस योजना में शामिल किया गया है और उसका कायाकल्प कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। श्री वैष्णव ने बताया कि मेरठ से हापुड़ तक 14 ट्रेनों की सेवा उपलब्ध है, जबकि हापुड़ से बिजनौर के लिए 4 ट्रेन सेवायें हैं। मेरठ से बिजनौर जाने वाले यात्री हापुड़ से ट्रेन बदल सकते हैं।मेरठ-हस्तिनापुर-बिजनौर (63.5 किमी) नई लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे स्वीकृत किया गया है और डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) की तैयारी की जा रही है। परियोजना को स्वीकृति देने से पहले नीति आयोग, वित्त मंत्रालय, राज्य सरकार जैसी संस्थाओं से परामर्श आवश्यक होता है।केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित योजना में मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार पर आधुनिक स्टेशन भवन, विस्तृत प्रतीक्षालय, 12 और 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन, लिफ्ट-एस्केलेटर, पार्किंग और यात्री सुविधाओं का समावेश है। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य प्रमुख स्टेशनों जैसे मोदी नगर, सीतापुर, लखनऊ (चारबाग), प्रयागराज और गाज़ियाबाद में भी कार्य प्रगति पर है।

मंगल बाजार में वेण्डरों का स्थल सत्यापन करेगा निगम

आवंटित स्थल पर अनुपस्थित वेण्डर का आवंटन होगा निरस्त

भारत संवाद

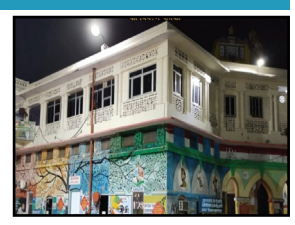

सहारनपुर। मेला स्थल पर निगम द्वारा विकसित मंगल बाजार में वेण्डरों के स्थल सत्यापन का सर्वे मंगलवार से शुरू किया जायेगा। अपने आवंटित स्थल पर जो वेण्डर नहीं मिलेगा, या जिन्होंने अपना स्थल किसी और को आगे दे दिया है ऐसे वेण्डरों का आवंटन निरस्त किया जायेगा और उसे दोबारा स्थल आवंटन नहीं किया जायेगा। करनिर्धारण अधिकारी/अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि निगम द्वारा सर्वे के लिए टीमें गठित की जा रही हैं। उन्होंने वेण्डरों से कहा है कि वे स्थल आवंटन के लिए किसी के बहकावे में न आएं और न ही निगम के नाम पर किसी को अवैध रुप से पैसा दें। उल्लेखनीय है कि रायवाला, प्रताप मार्किट, नेहरु मार्किट आदि बाजारों में मंगल बाजार लगने से शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। जिससे निजात पाने के लिए महापौर व नगरायुक्त के निर्देश पर नगर निगम द्वारा मेला गुघाल स्थल पर मंगल बाजार विकसित कर वेण्डरों को अस्थायी रुप से स्थान आवंटित किये गए थे। आवंटित स्थलों पर नंबरिंग कर वेण्डरों को जनमंच में पारदर्शिता के साथ टोकन प्रदान किये गए थे। जो वेण्डर किन्हीं कारणों से उस समय टोकन नहीं ले पाये थे उन्हें बाद में उपलब्ध स्थान के अनुसार स्थल आवंटित करते हुए टोकन दिए गए थे। सुधीर शर्मा ने बताया कि अभी ऐसे कुछ वेण्डर जो उस समय टोकन नहीं ले पाये थे, वे उपलब्ध स्थान पर बैठकर अपना व्यापार कर रहे हैं।

शास्त्र और संविधान के असंगत है कम आयु में शारीरिक सम्बन्ध स्वामी पूणानंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ़। लड़का और लड़की के विवाह और वयस्कता की उम्र निर्धारण हेतु अब तक अनेकों नियम और कानून लाए जा चुके हैं, जिसमें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े ईश्वरचंद्र विद्यासागर, बी.एम. मालाबारी सहित ब्रिटिश भारतीय वायसराय और गवर्नर जनरल जैसे नार्थ बुक आदि लोगों ने समय समय पर अनेकों प्रयास किये और नियम कानून आदि बनाये गए। परन्तु हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने इस विषय को और भी ज्वलंत कर दिया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने का अनुरोध किया है, ताकि किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने संबंधों को अपराध न माना जाए। उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए संबंधों को अपराध मानता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। लेकिन इस याचिका को लेकर देश भर में आक्रोश की स्थिति देखने को मिल रही है, सामाजिक और राजनैतिक संगठनों के साथ धार्मिक अनुयायिओं ने भी इसके खिलाफ अपने विरोध प्रारंभ कर दिए हैं, इसी क्रम में शहर के धार्मिक संस्थान वैदिक ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान में स्वामी श्री पूणानंदपुरी जौ महाराज की अध्यक्षता में एक पत्रकार वार्ता कर उक्त प्रकरण का विरोध दर्ज किया गया। डॉ दिव्या गुप्ता ने बताया कि एक तरफ देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है वहीं दूसरी ओर समय पूर्व बच्चियों के शारीरिक सम्बन्ध से न केवल शारीरिक बल्कि सामाजिक और मानसिक अक्षमतायें भी जन्म लेंगी। उन्होंने बताया की गुरुकुल पद्धति के अनुसार चारु आश्रम का वर्णन किया गया है जिनकी अलग अलग आयु निर्धारित की गयी है, और वह पद्धति भारत ही नहीं अपितु विश्व में सर्वश्रेष्ठ पद्धति है, परन्तु आधुनिकता के चलते बच्चों पर अनावश्यक बोझ धर्म के साथ संविधान के भी असंगत है। वार्ता में उपस्थित एडवोकेट सौरभ अग्रवाल ने भी वरिष्ठ अधिवक्ता के कोर्ट में किये गए इस अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि विज्ञान भी जहाँ कम उम्र में गर्भ धारण को लेकर शारीरिक वीकृति को प्रमाणित कर चुकी है तो ऐसे में विवाह की आयु में कमी करना आने वाली पीढ़ी के लिए घातक हो सकती है। वार्ता में उपस्थित आचार्य गौरव शास्त्री अनिल तिवारी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह, दीप सक्सेना, इशू कुमार, विकास शर्मा, एके त्रिपाठी, मृत्युंजय शर्मा सहित अन्य लोगों ने भी अपने अपने विचार प्रस्तुत कर विरोध प्रकट किया।

फास्ट ट्रैक

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक संपन्न

- इंडस्ट्रीज में मांग के अनुरूप प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग प्रदान कर नियोजन की कार्रवाई में तेजी लाई जाए
- औद्योगिक आस्थान अतरौली में विद्युत लाईन एवं राजकीय पायलट वर्कशाप में विद्युत पोल को एक सप्ताह में शिफ्ट किए जाने के दिए कड़े निर्देश

भारत संवाद

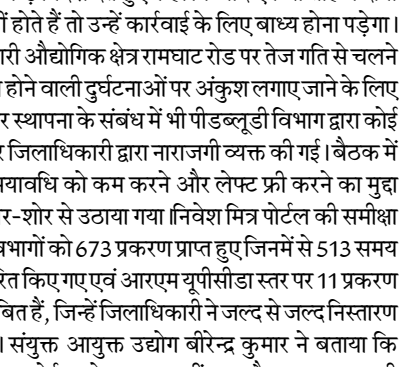

अलीगढ़ (सू0वि0): उद्यमिता विकास एवं व्यापारिक हितों की दिशा में सार्थक पहल करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग एवं व्यापार से जुड़े विभिन्न मामलों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समस्याओं के समाधान के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में 132 केवीए विद्युत उपकेंद्र की स्थापना के संबंध में यूपीसीडा द्वारा बताया गया कि सीडीएफ छेरत में विद्युत विभाग द्वारा भूमि चिन्हित कर ली गई है। उद्यमियों ने एक स्वर में सीडीएफ छेरत के स्थान पर तालानगरी इंडस्ट्रियल एरिया के आसपास सबस्टेशन की स्थापना किए जाने की मांग की। प्रधानाचार्य आईटीआई द्वारा बताया गया कि अप्रेंटिशशिप अधिनियम के तहत विगत माह 58 प्रशिक्षुओं को नियोजित कराया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि इंडस्ट्रीज में मांग के अनुरूप प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग प्रदान कर नियोजन की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। औद्योगिक आस्थान अतरौली में भूखण्डों के ऊपर से जा रही विद्युत लाईनों को शिफ्ट कराए जाने के संबंध में प्राप्त शिफ्ट कराए जाने एवं राजकीय पायलट वर्कशाप में लगे विद्युत पोल को शिफ्ट करने के बिन्दु पर अधिशासी अभियंता विद्युत राधा कृष्ण द्वारा अब तक कोई कार्रवाई न किए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उद्योग विभाग द्वारा मई माह में पोल शिफ्ट किए जाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर लगभग 80 दिन बाद भी कोई कार्रवाई न करना घोर लापरवाही का द्योतक है। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह में दोनों प्रकरण निस्तारित नहीं होते हैं तो उन्हें कार्रवाई के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसी प्रकार से तालानगरी औद्योगिक क्षेत्र रामघाट रोड पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के लिए चौराहों पर स्पीड ब्रेकर स्थापना के संबंध में भी पीडब्लूडी विभाग द्वारा कोई निर्णय न लिए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक में ट्रैफिक लाईट की समयावधि को कम करने और लेफ्ट फ्री करने का मुद्दा उद्यमियों द्वारा बड़े जोर-शोर से उठाया गया। निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा में पाया गया कि 40 विभागों को 673 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से 513 समय सीमा के अंदर निस्तारित किए गए एवं आरएम यूपीसीडा स्तर पर 11 प्रकरण समय सीमा उपरांत लंबित हैं, जिन्हें जिलाधिकारी ने जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि निवेश सारथी पोर्टल पर कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। व्यापार बन्धु की बैठक में मीनाक्षी पुल से तालानगरी तक साईनेज स्थापना, पत्थर बाजार में यूरिनल का निर्माण कराए जाने की व्यापारियों ने मांग करते हुए गांधी पार्क के किनारे नालियों को ढ़कने और शौचालयों का निर्माण आरम्भ होने पर व्यापारियों ने जिलाधिकारी की मुक्तकंठ से सराहना की। बैठक में उद्यमी नेकराम शर्मा, चन्द्रशेखर शर्मा, गणेश चौधरी, दिनेश चन्द्र, लल्लू सिंह, सतीश माहेश्वरी, कमल गुप्ता, दिनेश कुमार अग्रवाल, श्रीकृष्ण गुप्ता, बीरेन्द्र कुमार, रामकुमार उपाध्याय, मनीष शर्मा, संजय वार्ष्णेय एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गंदगी फैलाने वाले हो जाये सावधान अब यह नहीं चलेगा

नगर निगम ने जारी की जुर्माने की राशि की लिस्ट, गलती करने पर अलग अलग देना होगा

डोली शर्मा संवाददाता भारत संवाद

अलीगढ। अलीगढ नगर निगम का चार्ज संभालते ही नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा का अपना काम करने का अलग ही अब शक्ति शुरू कर दी है। हंसमुख व्यवहार के साथ साथ काम के प्रति सख्त रुख के साथ सख्त कार्यवाही कर विकास कार्यों में तेजी, पारदर्शिता के साथ नये - नये प्रयोगों से शहर को स्वच्छ बनाने व हर नागरिक की सहूलियतों का ध्यान रखते हुए शहर को विकास की ओर ले जाने की ह कोशिश भी कर रहे हैं।

मंगलवार को पार्षदों और दुकानदारों के साथ बैठक कर एक नया आदेश जारी कर कह दिया कि ये आदेश सख्ती के साथ वैधानिक कार्यवाही के साथ अब जुमार्ने के साथ लागू किया जाएगा। जुमार्ने की राशि पहली बार तय की गई है जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।

जुमार्ने की धन राशि रोजाना के हिसाब से सूची

1-आवासीय भवन स्वामियो द्वारा खुले में कचरा डालने पर100

2- दुकानदार द्वारा खुले में कचरा डालने पर 250

3-रेस्टोरेन्ट मालिक द्वारा खुले मे कचरा डालने पर 500

4-होटल मालिकों द्वारा खुले मे कचरा डालने पर 2000

5- औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा खुले मे कचरा डालने पर रुपए 1500

6-हलवाई, चाट, पकोड़ी, फास्ट फूड आईसक्रीम गन्ने का रस एवं अन्य जूस सब्जी एव फ्रूटआदि ठेला व्यवसायियों पर 1000

7- डेरियों मालिको द्वारा गोबर को सार्वजनिक स्थानों पर फेकना या नाला/नालीयों में बहाने पर 2000

8- निजी मकान, दुकान इत्यादि के निर्माण का मलबा, सामग्री, ईंट, सीमेन्ट, लोगा, पत्थर सरकारी भूमि पर डालने पर 20000

9- निजी ट्रेक्टरों द्वारा बजरी, कचरा, मलबा, गोबर इत्यादि परिवहन करते हुए नगर निगम की सड़को पर अपनी सामग्री बिखेरने-गन्दगी फैलाने आदि 2500

10- सरकारी भवनों, चौराहों एवं शहरी चार दीवारी की दीवारों व उनके गेटों पर निजी वाणिज्यिक प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर चिपकाने, स्लोगन लिखकर सरकारी दीवारें ऐतिहासिक भवनों की सुन्दरता को खराब करने व बैनर्स लगाने पर उस संस्था के मालिक या मौके पर पाये गये व्यक्ति से 3000

11- बिना सक्षम स्वीकृति के रोडकट करने पर तथा नाली तोड़ने की दशा में। 10000

12-अपने मकान भवन का सैप्टिक टैंक न होने, सीवरेज कनेक्शन नहीं लेकर सीवरेज की गन्दगी आम नाली, नाले में बहाने पर 2000

13-दुकानदार अथवा ठेला व्यवसायियों द्वारा सड़क पर बैठकर स्कूटर व साईकिल रिपेयरिंग कर ऑयल, मिट्टी व पानी फैलाकर गन्दगी करने पर 1000

14-मीट की दुकानों के सामने दुकानदार द्वारा काटे गये जानवारों की हड्डियाँ, मलबा, मलीदा, खून, मुर्गे के पंख, अण्डों के छिलके इत्यादि सड़क, आम रास्तों में डालकर गन्दगी फैलाने पर 1500 प्रतिदिन

15- आम रास्ता, सड़क व मकान के सामने, गाय, भैंस, बकरी, कुत्ते, भेड़, ऊँट, गधा घोड़ा, सुअर इत्यादि पालतू जानवरों से गन्दगी फैलाने पर 200

16-शादी/विवाह स्थलों के बाहर खुले में कचरा डालने पर रुपए 2000

17-आम रास्ता, सड़क पर खुले में या टेन्ट लगाकर खुले आम मांस-मछली पकाने व अंश सडक पर डालने व गन्दगी फैलाने पर 1000

18- सार्वजनिक स्थान, जमीन व सडक के किनारे बैठकर सब्जियां बेचकर छिलके आदि सड़क पर डालने व गन्दगी फैलाने पर 100

19-हेयर कटिंग सैलून वालों द्वारा आम रास्ता व सड़क पर गन्दगी, बाल इत्यादि डालने पर 200

20-दुकानदारों अथवा व्यवसायियों द्वारा आम रास्ता, सडक अथवा दुकानों के सामने की खाली, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर भवन सामग्री डालकर व्यवसाय करने पर 5000

21- आम रास्ता, सड़क, फुटपाथ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय, ढाबा चलाकर गन्दगी फैलाने पर 2000

22- निजी अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, दवाखाना इत्यादि द्वारा आम रास्तों, सड़क फुटपाथ पर गन्दगी डालना 2000

23- सड़क के किनारे वॉशिंग मशीन लगाकर गाड़ियों की धुलाई करने की दशा में 1000

24- पानी का कनेक्शन काटना, विभिन्न चिकित्सीय संस्थानों जैसे निजी अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथोलोजी इत्यादि के जैव चिकित्सीय अपशिष्ट को 25-नगरीय ठोस अपशिष्ट में अथवा सार्वजनिक स्थान पर डालने पर 5000

26- खुले में शौच करने पर व सड़क के किनारे शौच करने पर 500

27- व्यवसायिक प्रतिष्ठान पर डस्टबिन न रखने पर पहली बार रुपए 100 का जुमार्ना एवं दूसरी बार 500

28- सार्वजनिक स्थल सड़क पर थूकने पर 100

29- खुले में व सड़क के किनारे पेशाब करने पर 100

30-मानक रहित पॉलिथिन में कूडा रखने पर 500

31- सड़क पटरी सार्वजनिक भूमि पर जनरेटर रख अतिक्रमण करने पर अ- 5 के०वी० तक रुपए 100 का प्रतिदिन जुमार्ना एवं ब-5 के०वी० से ऊपर 3000

32- नगर निगम अलीगढ़ के क्षेत्राधिकार के समस्त कार्यालयों में पान, गुटखा आदि खाने व थूकने पर 200

33- प्राइवेट टैंकर जो सीवर/मलवा यानि मल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते है उनकी पंजीकरण धनराशि रूपए 2000/-प्रतिवर्ष तथा उनके द्वारा खुले में या नालें में डालने पर 50000

34- नगर निगम अलीगढ़ सीमान्तर्गत समस्त पैट्रोल पम्प स्वामियों द्वारा अपने पैट्रोल पम्प पर व्यक्तिगत शौचालय को छोड़कर सार्वजनिक शौचालय बनाये जाने का प्रावधान एवं शौचालय न बनाये जाने पर 2000

35- नगर निगम सीमान्तर्गत किसी के द्वारा कूड़ा जलाने पर 500

सत्यनिष्ठा से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन के लिए मोस्ट करेगा सत्याग्रह

शिक्षक से नाक रगड़वाने के प्रकरण में 12 अगस्त से जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष होगा मोस्ट का सत्याग्रह

भारत संवाद

सुलतानपुर। कंपोजिट विद्यालय समरथपुर में कार्यरत शिक्षक ओम प्रकाश की नाक रगड़वाने आदि अमानवीय व्यवहार के विरोध में मोस्ट की कोर कमेटी ने सत्याग्रह का निर्णय लिया है। संस्थान ने आरोप लगाया है कि शिक्षक ओम प्रकाश को असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन नाक रगड़वाया गया, जो कि यह निंदनीय और अपमानजनक कृत्य है। इस घटना से शिक्षक समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न हो गया है। मोस्ट ने इस अमानवीय कृत्य के विरोध में बीते 24 जुलाई को जिलाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा था, जिसमें मांग की गई थी कि पीड़ित शिक्षक ओम प्रकाश को तत्काल बहाल किया जाए एवं उनकी तैनाती किसी अन्य विकासखंड में की जाए तथा अमानवीय कृत्य करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को नेचुरल जस्टिस एवं दोहरी सजा से बचने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाए व शिक्षकों में कानून के प्रति विश्वास बहाल करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। संस्थान का आरोप है कि उपरोक्त मांगों के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है, जिससे क्षुब्ध होकर वरिष्ठ मोस्ट पदाधिकारियों की मीटिंग में रिटायर्ड नेवी ऑफिसर राम उजागिर यादव, से.नि. शिक्षक डॉ. कमालुद्दीन, से.नि. वरिष्ठ लिपिक रज्जन प्रसाद के नेतृत्व मोस्ट के लोग जिला प्रशासन सुलतानपुर के समक्ष आगामी 12 अगस्त से सत्याग्रह का ऐलान किया है। मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद ने कहा कि शिक्षकों की गरिमा पर हमला लोकतंत्र और समाज के भविष्य पर हमला है। जिला प्रशासन को स्वतंत्र-निष्पक्ष, सत्यनिष्ठा से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन कराने के लिए मोस्ट के लोग सत्याग्रह करेंगे। उक्त अवसर पर मोस्ट जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, कैप्टन मोस्ट रक्षक दल रोहित निषाद, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर गौकश गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना नागल पुलिस ने एक शातिर गौकश अपराधी को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस पर फायरिंग करते हुए भाग रहे दो बदमाशों में से एक को गोली लगने से दबोच लिया गया, जबकि दूसरा जंगल की ओर फरार हो गया। थाना नागल के उपनिरीक्षक महेश चंद्र अपनी टीम के साथ ग्राम उसण्ड मार्ग पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक काले रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए।

पुलिस ने जब उन्हें रोकने का इशारा किया तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। पीछा करने पर मोटरसाइकिल स्लिप हो गई और बदमाशों ने पुनः पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान फईम पुत्र याकूब कुरैशी निवासी नन्हेड़ा बुढ़ाखेड़ा, थाना नागल के रूप में हुई।

घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उसका साथी जंगल की ओर भाग निकला, जिसकी तलाश के लिए पुलिस द्वारा काम्बिंग जारी है। पकड़े गए बदमाश के पास से एक 315 बोर तमंचा, 1 जिंदा व 2 खोखा कारतूस सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (बिना नंबर प्लेट) गौकशी के उपकरण, कुल्हाड़ी, छुरी, रस्सी आदि बरामद की गयी है।

जीआईएस सर्वे आपत्तियों के निस्तारण की नगरायुक्त करेंगे हर रोज समीक्षा

नगरायुक्त ने टैक्स विभाग में हर पटल पर बैठकर की कार्य की समीक्षा

भारत संवाद

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि जीआईएस सर्वे आपत्तियों के निस्तारण की हर रोज स्वयं समीक्षा करेंगे। आपत्तियों के निस्तारण के काम में तेजी लाने के लिए टैक्स विभाग के सभी अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज दोपहर करीब डेढ़ घण्टे तक टैक्स विभाग का गहन निरीक्षण करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक पटल पर जाकर लिपिकों के कामकाज की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने पाया कि कार्य तो हो रहा है लेकिन उसमें अपेक्षित तेजी नहीं है। एक साधारण रजिस्टर में दर्ज आपत्तियों सम्बंधी जानकारी को उन्होंने तिथि, वार्ड, जोनवार सहित पूरे विवरण के साथ व्यवस्थित ढंग से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी फाइलें ई-ऑफिस पर करने पर जोर दिया और ई-ऑफिस के कार्य में भी तेजी लाने को कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं लिपिकों से पूछा कि किसके पास कितनी आपत्तियां आयी हैं और कितनी निस्तारित की गयी हैं। आपत्तियां किस स्तर पर कितनी पैंडिंग हैं, इसकी सही जानकारी विभाग द्वारा न देने पर नगरायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने टैक्स विभाग के सभी अधिकारियों को उनके पास आने वाली आपत्तियों में से कम से कम दस प्रतिशत आपत्तियां स्वयं निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टैक्स विभाग के अधिकारियों को अपने स्तर पर भी आपत्ति निस्तारण कार्य की समीक्षा करने को कहा। उन्होंने कहा कि कल से हर रोज वह स्वयं आपत्तियों के निस्तारण की समीक्षा करेंगे। उन्होंने आपत्तियों के निस्तारण का ऑपरेटिंग सम्बंधी कार्य ऑपरेटरों के बीच भी वितरित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर नगरायुक्त पी के यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संगीता गुप्ता, कर निर्धारण अधिकारी श्रुति महेश्वरी व कर अधीक्षक सुधीर शर्मा और सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण

अभ्युदय कोचिंग में तैयारी करने के लिए छात्र-छात्राएं किसी भी कार्यदिवस पर कोचिंग केंद्र पर कर सकते हैं

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अभ्युदय कोचिंग केंद्र का किया निरीक्षण

- यूपीएससी, यूपीपीएससी, एसएससी एवं नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओ को प्रदान किया मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन
- अभ्युदय योजना समाज के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रदान करती है समान अवसर

भारत संवाद

अलीगढ़ : जिला समाज कल्याण अधिकारी विनीत कुमार मलिक ने बुधबार को रामघाट रोड़ स्थित एसएमबी इण्टर कालेज में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केन्द्र का निरीक्षण कर यूपीएससी, यूपीपीएससी, एसएससी एवं नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओ को मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में अध्यापन करा रहे शिक्षक विप्रेश शर्मा, रामस्नेही एवं पूनम राघव से विषय और टॉपिक की जानकारी प्राप्त कर छात्रों को आईएएस, आईपीएस जैसे पदों पर चुने जाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली की जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन, न्यूनतम और प्रतिदिन 7-8 घंटे अध्ययन करने, प्रत्येक विषय पर तार्किक समझ विकसित करने एवं सतत अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को उपयोगी टिप्स प्रदान किया। उन्होंने पाठ्यक्रम के सभी विषयों का समान महत्व बतलाते हुए छात्रों को सभी विषयों पर पर्याप्त अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए अपनी व्यक्तिगत तैयारी के अनुभवों और अपने सहपाठियों के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा कर छात्रों को परीक्षा के द्वौरान आत्मविश्वास बनाए रखने का सुझाव दिया। उन्होंने छात्रों से शिक्षकों के बारे में जानकारी प्राप्त की जिस पर सभी छात्रों ने एक स्वर में सभी शिक्षकों के अच्छे होने की जानकारी दी। विदित रहे कि विगत दिनों सीडीओ प्रखर कुमार सिंह द्वारा भी अभ्युदय कोचिंग केंद्र एसएमबी इंटर कॉलेज का भ्रमण कर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया था। अपने 2 घण्टे से अधिक लम्बे व्याख्यान में सीडीओ ने छात्रों को स्वयं को स्वस्थ रखते हुए सतत अध्ययन करने की शिक्षा देते हुए छात्रों को बेहतरीन शिक्षकों द्वारा नियमित अध्यापन एवं सामायिक टेस्ट कराने एवं कोचिंग में अच्छी सुविधाओं का आश्वासन दिया है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों, वृक्षारोपण की जियोटैगिंग, कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की बैठक

खराब रैंकिंग वाले विभाग रैंकिंग में लाएं सुधार: मण्डलायुक्त

भारत संवाद

सहारनपुर। मंडलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा, नदियों का पुर्नद्धार व नदियों से प्रभावित प्रत्येक ग्राम की कार्ययोजना, वृक्षारोपण की जियोटैगिंग की वर्तमान स्थिति, कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों, चकबन्दी कार्यों एवं वादों की प्रगति की समीक्षा बैठक आहूत की गई। अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सीएम डैशबोर्ड में सर्वोच्च रैंकिंग के लिए प्रयास करें। उन्होने कहा कि इस माह सी और डी कैटेगरी वाले ए और बी के लिए प्रयास करें तथा ए रैंक वाले अपनी रैंकिंग यथावत बनाए रखने हेतु कोशिश करें। प्रत्येक विभाग किये गये बेहतर कार्यों की बुकलेट बनाना सुनिश्चित करें। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें एवं शासन के निदेर्शों एवं उच्च प्राथमिकता वालें बिन्दुओं पर गंभीरता से कार्य करें। मण्डलायुक्त ने जिन विभागों के कार्यों की वजह से सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग बिगडी है उनमें पंचायजी राज विभाग मुजफ्फरनगर, पर्यटन मुजफ्फरनगर एवं शामली, प्राथमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग सहारनपुर एवं मुजफ्फरनगर पर गहरी नाराजगी व्यक्त कर रैंक को सुधारने के निर्देश दिए।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

दो खंभों पर समुद्र के बीच बसा हुआ दुनिया का सबसे छोटा देश

इंग्लैंड के पास स्थित सीलैंड दुनिया का सबसे छोटा देश है, लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि यह समुद्र के बीच दो बड़े खंभों के ऊपर बसा है। इस देश को माइक्रो नेशन कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल मात्र 250 मीटर है। यहां 50 से भी कम लोग रहते हैं। हालांकि इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली है लेकिन इनकी अपनी मुद्रा और स्टाम्प टिकट है। बता दें कि ब्रिटेन ने द्वीतीय विश्वयुद्ध के समय इसका निर्माण किया था। फिर इसे खाली करा दिया हया। इस पर अलग-अलग लोगों का कब्जा रहा। साल 2012 में सीलैंड के प्रिंस के तौर पर रॉय बेट्स नाम के शक्स ने खुद को पेश किया। उनकी मौत के बाद उनके बेटे माइकल ने गद्दी संभाल ली।

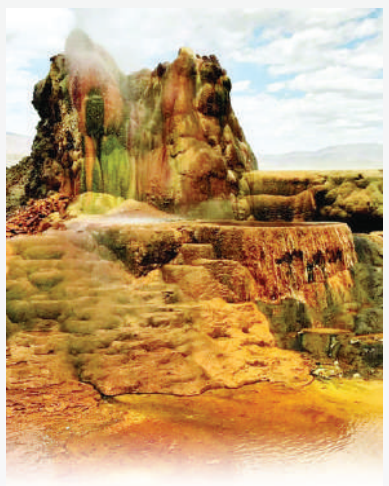

ये है गर्म पानी का फव्वारा, जानिए क्या है इसका रहस्य

यह तस्वीर है फ्लाई गीज़र यानी गर्म पानी के फव्वारे की। यह फव्वारा हमेशा गर्म पानी फेंकता है। अमेरिका के एक छोटे से शहर नेवाडा में स्थित यह रहस्यमयी और अजब-गजब फव्वारा प्राकृतिक रूप से बना है जिसकी खोज एक किसान ने की थी। किसान खेती के लिए गड्ढा खोद रहा था और पानी का स्तर बहुत नीचे था तो उसे गहरा गड्ढा खोदना पड़ा। लेकिन ये क्या! गहराई में निकला पानी बेहद गर्म था। पानी दो सौ डिग्री तापमान में खौल रहा था। यह देखकर वह भाग खड़ा हुआ। पानी का तेज दबाव होने और खूब गर्म होने के कारण इसे फ्लाई गीज़र का नाम दिया गया। इस गड्ढे ने समय के साथ खूबसूरत रूप ले लिया। गर्म पानी में जो खनिज थे उसके वजह से इसने रंग बिरंगे पहाड़ का रूप ले लिया जिसमें से गर्म पानी फव्वारे की तरह आता है।

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में जश्न का तरीका

बर्निंग मैन फेस्टिवल

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीज़ें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं।

यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत ली. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं. ऐसा वो यहां की फिलॉस्फी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसाना पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं। यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवादा राज्य में स्थित .ब्लैक रॉक डेजर्ट. एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फैस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

...क्या अमेरिका के पास हैं एलियन?

एलियन को लेकर अक्सर चर्चा होती है। दुनिया में कई ऐसे हैं जो एलियन और यूएफओ देखने के दावा करते हैं। अब इस बीच अमेरिका ने एलियन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका गुप्त रूप से एलियन टेक्नोलॉजी या एलियन जीवों को जनता से नहीं छिपा रहा है। पेंटागन ने ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की तरफ से जांच के बाद निष्कर्षों को जारी किया। ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की स्थापना साल 2022 में की गई थी। इसका उद्देश्य विषम, अज्ञात स्थान, हवाई और जलमग्न खतरों के बारे में पता लगाने और उन्हें कम करना है। पेंटागन की तरफ से पहले भी एलियन जीवन से जुड़ी रिपोर्ट जारी की जाती रही है। अमेरिका पर काफी लंबे समय से एलियन की जानकारी छिपाने के आरोप लगते हैं। आइए जानते हैं कि इस रिपोर्ट में अमेरिका ने क्या कहा है?

पेंटागन ने एलियन पर किया बड़ा खुलासा

पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में कहा एक कहानी बताई जाती है कि अमेरिका की सरकार ने कई एलियन एयरक्राफ्ट और अलौकिक जीवन के अवशेष की खोज की है। 1940 के दशक से इन कहानियों की शुरुआत हुई है। इसमें कहा जाता है कि अमेरिका ने जानकारियों को लोगों और कांग्रेस से छिपाकर रखा है। इस पर रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि टेलीविजन प्रोग्राम, किताबों, फिल्मों, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री लोगों में इनसे जुड़ी मान्यताओं को मजबूत किया है।

जांचकर्ताओं को अमेरिका के सभी जरूरी संवेदनशील प्रोग्राम तक जाने की इजाजत दी थी। उनके द्वारा 1945 के बाद से सभी आधिकारिक सरकारी जांच प्रयासों की समीझा की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके कि अमेरिकी सरकार की जांच यूएफओ देखने या एलियन से संबंधित है। पेंटागन के एक प्रवक्ता ने बताया कि जांचकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि आसमान में कोई अज्ञात चीजे मिली हों।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 1950 और 60 के दशक में यूएफओ देखने से जुड़ी रिपोर्ट में बढ़ोत्तरी हुई है। इसकी वजह नई नई टेक्नोलॉजी का विकास हो सकता है। दरअसल, इस दौरान जासूसी विमानों और अंतरिक्ष तकनीक को टेस्ट किया जा रहा था, जिसमें ऊंचाई वाले गुब्बारे शामिल थे। इनमें से एक 1947 में न्यू मैक्सिको के पास हादसे का शिकार हुआ। इसने यूएफओ की अटकलों को बढ़ावा मिला, लेकिन रिपोर्ट में डेटा की कमी और वीडियो फुटेज की खराब गुणवत्ता की भी बात कही गई है।

खैबर पख्तूनख्वा में पाक सेना का बर्बर चेहरा

निहत्थे पश्तूनों पर गोलीबारी, 7 की मौत

एजेंसी

पाकिस्तानी सेना ने खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में पश्तून प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें सात पश्तून मारे गए और बीस से ज्यादा घायल हो गए। प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सेना की मोर्टार फायरिंग में मारे गए एक बच्चे की मौत के विरोध में तिराह घाटी में इकट्ठा हुए थे। जवाबी कार्रवाई में, सैनिकों ने निहत्थे पश्तून प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रांतीय सरकारी अधिकारी के अनुसार, क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी के मोहमंद गोज इलाके में गोली चलाई गई। केपी कम्युनिकेशंस एंड वर्क्स के विशेष सहायक सोहेल अफरीदी ने एक दिन पहले हुई एक घटना का ज़िक्र किया, जब एक मोर्टार शेल एक घर पर गिरा, जिससे एक बच्ची की मौत हो गई,

जिसके बाद निवासियों ने फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जैसा कि डॉन ने बताया। उन्होंने कहा कि निराश स्थानीय लोग परिसर के द्वार पर इकट्ठा हो गए और जब भीड़ उस इलाके में पहुँची तो गोलियाँ चलने लगीं। उन्होंने पुष्टि की कि इस घटना के परिणामस्वरूप लोगों की मौत और घायल होने की खबरें हैं। पीटीएम खैबर ने पाकिस्तानी सेना द्वारा नागरिकों के विरुद्ध जारी हिंसा पर गहरा दुःख और रोष व्यक्त किया और खैबर तिराह और बाजौर में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की निंदा की। अपने एक्स पोस्ट में, संगठन ने बताया कि सैन्य अभियानों और कर्फ्यू की आड़ में निहत्थे नागरिकों पर, जिनमें एक मृत बच्चे के लिए शोक मना रहे लोग भी शामिल हैं, हमला किया गया। अपने बयान के अनुसार, पीटीएम खैबर ने जीने के अधिकार के शांतिपूर्ण आह्वान पर राज्य की आक्रामक प्रतिक्रिया पर सवाल उठाया। पश्तून कार्यकर्ता फजल-उर-रहमान अफरीदी ने बाजौर और खैबर पख़्तूनख्वा के अन्य इलाकों में पाकिस्तानी सेना द्वारा लगातार किए जा रहे सैन्य अभियानों की निंदा की और उन्हें पश्तून नागरिकों पर क्रूर और लक्षित हमले करार दिया। उन्होंने पंजाबियों के वर्चस्व वाली सेना पर हिंसा बढ़ाने के लिए सुरक्षा चिंताओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कथित युद्ध के दौरान हुए अत्याचारों का हवाला दिया, जिनमें 80,000 से ज्यादा पश्तून मारे गए और उनके घर, व्यवसाय और आजीविकाएँ तबाह हो गईं।

> **खैबर पख़्तूनख़्वा की तिराह घाटी में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में 7 पश्तून प्रदर्शनकारियों की मौत और 20 से ज्यादा घायल हो गए। ये प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सेना की मोर्टार फायरिंग से एक बच्चे की मौत के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, जिन पर निहत्थे होने के बावजूद अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस घटना ने #पश्तून मानवाधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।**

ट्रम्प ने भारत पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया

कहा- भारत रूस से हथियार-तेल खरीद रहा, इसलिए जुमार्ना भी वसूलेंगे; 1 अगस्त से लागू

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुमार्ना भी लगाएंगे। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। भारत, अमेरिका का दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने उसके साथ कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं।

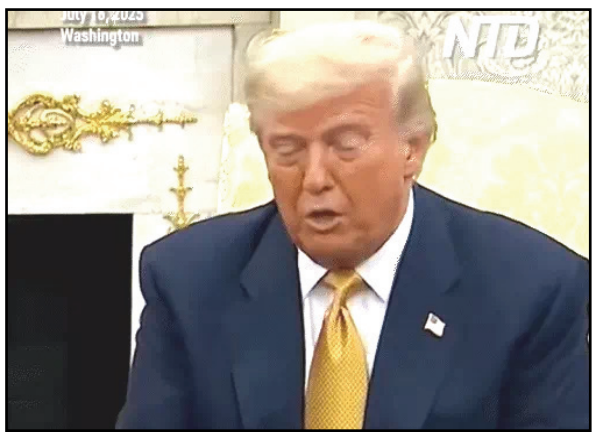

दरअसल, भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार रूस से खरीदता है। इतना ही नहीं, चीन के साथ मिलकर भारत, रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस भी खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हिंसा रोके। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से आने वाले सामानों पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा पेनल्टी भी लगाई जाएगी। दोनों देशों के बीच सबकुछ सही नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 17 जुलाई को कहा था कि जल्द ही अमेरिकी उत्पादों को भारत के बाजारों में पहुंच मिलने वाली है। इंडोनेशिया फॉर्मूले के तरह अमेरिकी उत्पादों पर भारत में भी जीरो टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने कहा था- हमने कई देशों के साथ समझौते किए हैं। हमारा एक और समझौता होने वाला है, शायद भारत के साथ। हम बातचीत कर रहे हैं। जब मैं लेटर भेजूंगा तो वो समझौता हो जाएगा। ट्रम्प ने 15 जुलाई को इंडोनेशिया पर 19% टैरिफ लगाया था। 1 अगस्त से इंडोनेशिया से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 19% टैरिफ लगेगा।

वहीं, अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं लगेगा। बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (बीटीए) को लेकर छठे राउंड की चर्चा के लिए अमेरिकी अधिकारी 25 अगस्त को भारत आएंगे।

दोनों देश सितंबर-अक्टूबर तक ट्रेड एग्रीमेंट्स का पहला चरण पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट की संभावना भी तलाशी जा रही है।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो सिंगर केटी पेरी के साथ दिखे

सीक्रेट डिनर का वीडियो लीक, डेटिंग की अटकलें तेज

एजेंसी

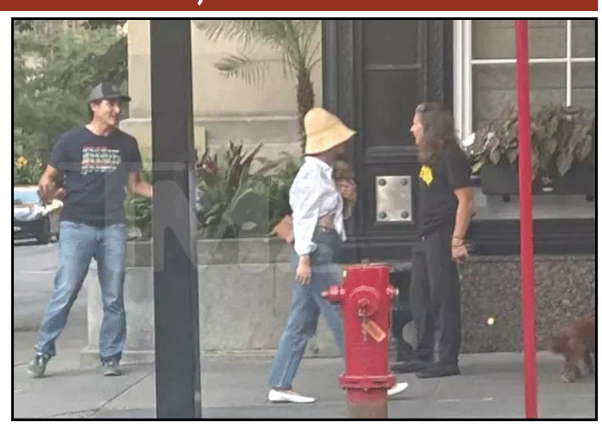

मॉन्ट्रियल, अमेरिका की मशहूर पॉप स्टार कैटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एकसाथ डिनर करते देखा गया। टीएमजेड की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात 28 जुलाई 2025 की रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्त्रां में हुई। इस मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कैटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत करते दिख रहे हैं। दोनों को साथ देखकर लोगों में उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं। यह डिनर एक प्राइवेट डेट जैसा लग रहा था, लेकिन दोनों अकेले नहीं थे। उनके साथ कई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे जो उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सुरक्षाकर्मी पास की सीटों पर बैठे थे और शीशे की दीवार के जरिए निगरानी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक पैरी और ट्रूडो ने रेस्त्रां में कई डिशेज लीं। इनमें लॉब्स्टर भी शामिल था, लेकिन दोनों ने कोई एल्कोहॉलिक ड्रिंक नहीं ली। डिनर के बाद रेस्त्रां के हेड शेफ खुद दोनों से मिलने आए और उनका स्वागत किया। खाना खत्म होने के बाद, पैरी और ट्रूडो दोनों ने किचन जाकर स्टाफ को पर्सनली थैंक्स कहा। रेस्त्रां में मौजूद लोगों ने बताया कि दोनों काफी दोस्ताना थे और उनके बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। वे रेस्त्रां के एक शांत कोने में बैठे थे और साथ में ड्रिंक और लॉब्स्टर डिश का लुफ्त उठा रहे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, कैटी पेरी बातचीत में काफी दिलचस्पी दिखा रही थीं। पैरी इन दिनों अपने नए एल्बम 143 के प्रमोशन के लिए कनाडा टूर पर हैं। उन्होंने हाल ही में विनिपेग में परफॉर्म किया और अगला शो ओटावा में होगा। वहीं, ट्रूडो जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से ज्यादा लाइमलाइट में नहीं रहे हैं। 2023 में उन्होंने अपनी पत्नी सोफी से 18 साल पुरानी शादी खत्म कर दी थी। दिलचस्प बात ये है कि कैटी पेरी का इस साल की शुरूआत में एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम से भी ब्रेकअप हुआ था। दोनों की एक बेटी है और वे अभी भी अच्छे रिश्तों में हैं और मिलकर उसकी परवरिश कर रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों को लग रहा है कि ये डिनर किसी नए रिश्ते की शुरूआत हो सकती है, लेकिन दोनों की तरफ से अब तक इस बारे में कोई बयान नहीं आया है। कैटी पेरी और एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम का रिश्ता 2016 में गोल्डन ग्लोब्स की एक आफ्टर पार्टी में शुरू हुआ था। दोनों के बीच जल्द ही नजदीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता मीडिया की सुर्खियों में आ गया। 2017 में उनका कुछ समय के लिए ब्रेकअप हुआ, लेकिन 2018 में उन्होंने फिर से एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। इसके बाद 2019 में वेलेंटाइन्स डे के मौके पर दोनों ने सगाई कर ली। इसके बाद साल 2020 में दोनों की एक बेटी हुई। हालांकि, अब तक उन्होंने कभी शादी नहीं की। जुलाई 2025 की शुरूआत पैरी और ब्लूम ने अपने ब्रेकअप की आधिकारिक घोषणा की है। एक साझा बयान में कहा गया कि वे अब एक रोमांटिक रिश्ते में नहीं हैं, लेकिन अपनी बेटी डेजी की मिलकर देखभाल करेंगे। कैटी पेरी की पहली शादी 2010 में ब्रिटिश कॉमेडियन रसेल ब्रांड से हुई थी, जो एक पारंपरिक हिंदू समारोह में राजस्थान, भारत के रणथंभौर टाइगर सेंचुरी के पास हुई। उनकी शादी 14 महीने बाद 2011 में खत्म हो गई थी। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 28 मई 2005 को सोफी ग्रेगोएर ट्रूडो से शादी की थी।

सऊदी अरब में विदेशी नागरिक भी प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे

मक्का-मदीना में मनाही रहेगी; ऑयल पर निर्भरता कम करना मकसद

एजेंसी

रियाद, सऊदी अरब की सरकार ने विदेशी नागरिकों और कंपनियों के लिए अपने रियल एस्टेट मार्केट को खोलने का फैसला किया है। नया कानून जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत विदेशी इन्वेस्टर्स रियाद, जेद्दा और अन्य इलाकों में प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे। यह कदम सऊदी अरब के विजन 2030 का हिस्सा है, जिसका मकसद ऑयल पर निर्भरता कम करना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। सऊदी कैबिनेट ने हाल ही में इस नए कानून को मंजूरी दी

है, जिसे हाउसिंग मिनिस्टर माजिद बिन अब्दुल्लाह ने रियल एस्टेट सुधारों का अगला कदम बताया। उन्होंने कहा- यह कानून रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा और सऊदी शहरों को ग्लोबल इन्वेस्टर सेंटर बनाएगा। हालांकि, मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों में प्रॉपर्टी खरीद पर प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन शहरों में सिर्फ मुस्लिम ही खास शर्तों के साथ संपत्ति खरीद सकते हैं। विदेशी निवेशक सऊदी स्टॉक एक्सचेंज (तदावुल) पर लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनियों में 49% तक शेयर खरीद सकते हैं, जो मक्का और मदीना में प्रोजेक्ट्स डेवलप करती है। रियल एस्टेट जनरल अथॉरिटी 180 दिनों के भीतर उन इलाकों और नियमों की लिस्ट जारी करेगी, जहां विदेशी प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। यह सुधार हज और उमराह जैसे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और 2030 तक 30 बिलियन डॉलर की इनकम के टारगेट को सपोर्ट करेंगे। सऊदी अरब का 'विजन 2030' सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था। इसका मकसद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर मजबूत बनाना है। विजन 2030 के तहत ही एमबीएस वीरान रेगिस्तान में निओम नाम का एक नया शहर बसाना चाहते हैं। प्रोजेक्ट के तहत 'द लाइन' नाम का एक शहर बसाया जाएगा।

चमोली में बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर सेना के जवानों की बस पलटी, कई जवान घायल

एजेंसी

जोशीमठ से रायवाला जा रहे थे सेना के जवान, सोनल के पास बदरीनाथ हाईवे पर बस अनियंत्रित होकर पलट गई

चमोलीः उत्तराखंड के चमोली जिले में हादसा हुआ है. बदरीनाथ हाईवे पर आर्मी के जवानों को ले जा रही बस पलट गई. इस दुर्घटना में जवानों को हल्की चोटें आई हैं. सभी जवान सुरक्षित हैं. ये बस हादसा सोनल के समीप हुआ है. चमोली में सेना के जवानों की बस पलटीः बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर सुबह-सुबह आर्मी के जवानों को लेकर जा रही एक बस अनियंत्रित हो गई. देखते ही देखते बस सड़क पर पलट गई. चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को पहाड़ी की तरफ मोड़ दिया. नहीं तो ये हादसा बड़ा रूप ले सकता था. पहाड़ी के दूसरी तरफ गहरी खाई थी. बताया जा रहा है कि ये जवान बस से जोशीमठ से रायवाला जा रहे थे. सैनिकों को ले जा रही बस पलटी कुछ जवानों को आई चोटः जोशीमठ से चली सेना के जवानों की बस अभी सोनल के पास ही पहुंची थी कि तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. इस हादसे में कुछ जवानों को हल्की चोटें आई हैं. बस पलटने की सूचना वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी. पुलिस प्रशासन की मौके पर पहुंची. पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय लोगों की मदद से सभी जवानों को बस से सुरक्षित बहर निकाला गया. जिन जवानों को चोट लगी है उनको 108 आपातकालीन सेवा एंबुलेंस के माध्यम से उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग भेजा गया है. वहां पर फिलहाल सभी चोटिल जवानों का उपचार चल रहा है. रिस्की हैं ये सड़क मार्गः गौरतलब है कि चमोली उत्तराखंड की पूर्ण रूप से पहाड़ी जिला है. यहां की सड़कों पर एक तरफ पहाड़ हैं तो दूसरी तरफ नदी और खाई हैं. ऐसे में यहां वाहन चलाना बहुत चुनौतीपूर्ण काम है. इन दिनों बारिश हो रही है तो ऐसे में लैंडस्लाइड की घटनाएं भी यहां खूब हो रही हैं. ऐसे में सड़क हादसों का खतरा और भी बढ़ रहा है. अल्मोड़ा जिले में भी हादसाः आज सुबह अल्मोड़ा जनपद के भतरोंजखान थाना क्षेत्र में भी हादसा हुआ है. एक एर्टिका कार जो दिल्ली से देघाट की ओर जा रही थी, वो ग्राम पनुवाडोखन के पास अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई. हादसा गोदी क्षेत्र थाना भतरोंजखान के अंतर्गत हुआ. कार में दो लोग सवार थे.

नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी से क्या मिला? :कांग्रेस

अमेरिका के भारत पर 25% टैरिफ लगाने पर बोला विपक्ष

जयराम रमेश ने कहा कि श्री मोदी ने सोचा था कि यदि वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानों पर चुप रहेंगे - ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के 30 दावे, पाकिस्तान के सेना प्रमुख के लिए विशेष भोज, जिनकी भड़काऊ टिप्पणियों ने क्रूर पहलगाम आतंकवादी हमलों की तत्काल पृष्ठभूमि प्रदान की, और आईएमएफ और विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेजों के लिए अमेरिकी समर्थन तो भारत को राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों विशेष उपचार मिलेगा। स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं हुआ है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। रमेश ने दोनों नेताओं के बीच की गर्मजोशी का मजाक उड़ाते हुए हाउडी मोदी कार्यक्रम और अन्य सौहार्दपूर्ण पलों का हवाला देते हुए कहा कि उनके और हाउडी मोदी के बीच की सारी प्रशंसा का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने ट्रंप द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के बार-बार किए गए दावों की ओर इशारा किया। यह एक हाई-प्रोफाइल अमेरिका-पाकिस्तान लंच था जिसमें पहलगाम आतंकी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख भी शामिल हुए थे। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान को आईएमएफ और विश्व बैंक के वित्तीय पैकेजों के लिए वाशिंगटन के निरंतर समर्थन का भी हवाला दिया। रमेश ने कहा कि इन घटनाक्रमों के बावजूद, मोदी ने चुप्पी साधे रखी - ऐसे कूटनीतिक पुरस्कारों की उम्मीद की जो कभी नहीं मिले।

जयराम रमेश ने कहा कि श्री मोदी ने सोचा था कि यदि वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानों पर चुप रहेंगे - ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के 30 दावे, पाकिस्तान के सेना प्रमुख के लिए विशेष भोज, जिनकी भड़काऊ टिप्पणियों ने क्रूर पहलगाम आतंकवादी हमलों की तत्काल पृष्ठभूमि प्रदान की, और आईएमएफ और विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेजों के लिए अमेरिकी समर्थन तो भारत को राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों विशेष उपचार मिलेगा। स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं हुआ है। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया है। अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि याद रखें, भारत हमारा मित्र तो है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने उसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं

सीबीआई, यूपी सरकार और पीड़ित परिवारों की अपील खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने निठारी हत्याकांड के आरोपियों को बरी किया

पीठ ने कहा कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि केवल उन्हीं बरामदियों को, जो केवल अभियुक्तों की पहुँच में हों, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित मामले में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2006 के सनसनीखेज निठारी हत्याकांड मामले में आरोपी सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने के खिलाफ दायर 14 अपीलों को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि कोली को बरी करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में कोई विकृति नहीं थी। साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 का हवाला देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि खुले नाले से पीड़ितों की खोपड़ियां और अन्य सामान बरामद करना पुलिस के समक्ष कोली के बयान के बाद नहीं किया गया था।पीठ ने कहा कि पुलिस द्वारा अभियुक्तों का बयान दर्ज किए बिना की गई कोई भी बरामदगी साक्ष्य कानून के तहत साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि केवल उन्हीं बरामदियों को, जो केवल अभियुक्तों की पहुँच में हों, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित मामले में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत पिछले साल सीबीआई और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दायर याचिकाओं सहित अलग-अलग याचिकाओं पर विचार करने के लिए सहमत हुई थी

नेहरू की गलतियों को मोदी सरकार ने सुधारा :विदेश मंत्री जयशंकर

सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने पर जयशंकर ने कहा खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में किसी भी ऐसे समझौते के बारे में नहीं सोच सकता जहाँ किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में प्रवाहित करने की अनुमति दी हो।

राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री जयशंकर, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि पहलगाम हमला पूरी तरह अस्वीकार्य, लक्ष्मण रेखा लांघी गई। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दोषियों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक था। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए जयशंकर ने कहा कि मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलके सुन ले। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन कॉल राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ। सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने पर जयशंकर ने कहा खून और पानी एक साथ नहीं

बह सकते। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में किसी भी ऐसे समझौते के बारे में नहीं सोच सकता जहाँ किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में प्रवाहित करने की अनुमति दी हो। इसलिए यह एक असाधारण समझौता था और, जब हमने इसे स्थगित कर दिया है, तो इस घटना के इतिहास को याद करना जरूरी है। कल मैंने लोगों को सुना, कुछ लोग इतिहास से असहज हैं। वे ऐतिहासिक बातों को भुला देना पसंद करते हैं। शायद यह उन्हें शोभा नहीं देता, वे केवल कुछ बातों को याद रखना पसंद करते हैं।एस जयशंकर ने साफ तौर पर कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता... खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। मोदी सरकार ने सिंधु जल संधि निलंबित कर नेहरू की नीतियों की गलतियों को सुधारा। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हम आतंकवाद को वैश्विक एजेंडे पर रखने में सफल रहे हैं... चाहे वह ब्रिक्स हो, एससीओ हो, क्वाड हो या द्विपक्षीय स्तर पर हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा, जो 26 साल से वांछित था, आखिरकार मोदी सरकार द्वारा वापस लाया गया और आज इस देश में मुकदमों का सामना कर रहा है।